मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 7 अंक 132
सोमवार, 25 नवम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

विधानसभा चुनाव की मजबूत तैयारी में जुटे केजरीवाल, रेवड़ी पर चर्चा कार्यक्रम की शुरूआत की

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। राजधानी दिल्ली में अगले साल फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने बीते शुक्रवार को रेवड़ी पर चर्चा कार्यक्रम की शुरूआत की। इस दौरान उन्होंने 6 रेवड़ियों का जिक्र करते हुए भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोला और जनता को बीजेपी को वोट देने के नुकसान बताए। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता को हमने छह मुफ्त की रेवड़ी दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई मंचों से और कई बार ये बोल चुके हैं कि केजरीवाल दिल्ली में मुफ्त की रेवड़ी बांट रहे हैं। ये बंद होनी चाहिए। दिल्ली की जनता हमें बताए कि ये मुफ्त की रेवड़ी चाहिए या फिर नहीं चाहिए?

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल कहा कि भाजपा यहां पर आई तो ये छह सुविधा बंद कर देगी। देश के 20 राज्यों में भाजपा की सरकार है। इन 20 राज्यों में से एक भी राज्य में दिल्ली में जो हम रेवड़ी दे रहे हैं, उनमें से एक भी नहीं है। जब इन राज्यों में नहीं है तो फिर दिल्ली में भी नहीं देंगे। इस दौरान अरविंद केजरीवाल ने छह रेवड़िया गिनाईं। उन्होंने कहा कि पहला है दिल्ली में मुफ्त बिजली और वो भी 24 घंटे बिना पावर कट के। इससे पहले जब

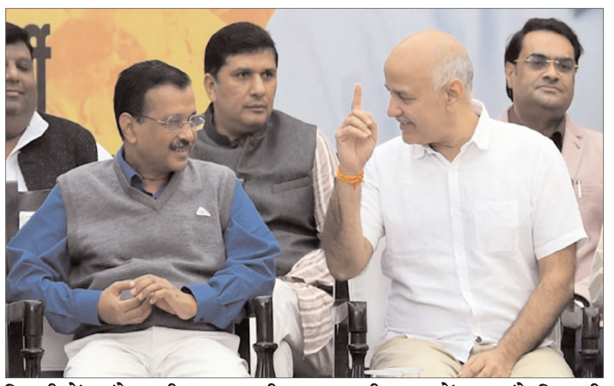

दिल्ली में कांग्रेस की सरकार थी, उन दिनों 8 से 10 घंटे पावर कट रोज लगते थे। हमारी सरकार बनने के बाद यहां पर 24 घंटे बिजली दी है। दिल्ली में अब पावर कट नहीं लगते हैं। इनकी बीस राज्यों में सरकार है, लेकिन, एक भी राज्य में 24 घंटे बिजली नहीं दे पाए। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि गुजरात में 30 साल से इनकी सरकार है। 30 साल में भी वहां 24 घंटे बिजली नहीं दे पाए है। हमें 24 घंटे बिजली देनी आती है। अगर दिल्ली में आम आदमी पार्टी को वोट नहीं दिया और भाजपा को वोट दिया तो दिल्ली के अंदर भी 8 से 10 घंटे के पावर कट लगने चालू हो जाएंगे। कमल का बटन दबाने से पहले सोच लें कि आप लंबे-लंबे पावर कट के लिए बटन दबा रहे हो, नहीं तो झाड़ू का बटन दबा देना। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश में फोन करके देख लो कितने घंटे के पावर कट लगते हैं। हमारी सरकार ने दिल्ली में 24 घंटे बिजली कर दी। दिल्ली और पंजाब देश के दो राज्य ऐसे हैं, जहां आम आदमी पार्टी की सरकार है और फ्री बिजली दी है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दूसरी रेवड़ी है मुफ्त पानी। दिल्ली में हम सभी परिवार को 20 हजार लीटर मुफ्त पानी देते हैं। इनके (भाजपा) 20 राज्यों में किसी के अंदर पानी मुफ्त नहीं है। जब मैं जेल गया था, उन्होंने पीछे से कई लोगों के हजार रुपये के गलत पानी के बिल भेज दिए। दिल्ली में आम आदमी पार्टी सरकार बनी तो हम आपके सारे गलत बिल माफ कर देंगे और फिर से जीरो बिल आने लग जाएंगे।

उन्होंने कहा कि तीसरी रेवड़ी है मुफ्त शिक्षा, अच्छी और शानदार फ्री शिक्षा। दिल्ली के अंदर हमने अच्छे और शानदार स्कूलें बनाई.

डिवाइडर से टकराकर कार के खाई में गिरने से दो लोगों की मौत, तीन लोग घायल

आगरा, 24 नवम्बर। उत्तर प्रदेश के आगरा में रहनकलां टोल प्लाजा से पहले एक कार डिवाइडर से टकराने के बाद खाई में गिर गई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इस हादसे में कार में सवार दो लोगों की मौत हो गयी और तीन लोग घायल हो गये। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान पम्मी (25)और महेंद्र शुक्ला (45) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में44 वर्षीय रजनीकांत शुक्ला,20 वर्षीय करण और 24 वर्षीय जितेंद्र घायल हुए, जिन्हें यमुना पास स्थित श्री कृष्णा अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अधिकारी ने बताया कि अमेठी के पन्नी गांव के रहने वाले कर्मवीर की बारात शुक्रवार रात दस बजे अमेठी से दिल्ली के लिए निकली थी। उन्होंने बताया कि बाराती एक बस और चार कार में सवार थे। अधिकारी ने बताया कि तड़के पांच बजे के करीब एत्मादपुर के रहनकलां के पास कार चालक की आंख लग गयी और तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर खाई में गिर गयी। एत्मादपुर थाना प्रभारी विजय विक्रम सिंह ने बताया कि हादसे में दो लोगों की मौत हो गयी और बाकी तीन का उपचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि तीनों घायलों की हालत स्थिर है।

प्रियंका गांधी का संसद में पदार्पण देश के लिए ऐतिहासिक होगा : रेवंत रेड्डी

तेलंगाना, 24 नवम्बर। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने वायनाड लोकसभा उपचुनाव में शानदार जीत के लिए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा को बधाई देते हुए शनिवार को कहा कि कांग्रेस पार्टी का हर सदस्य इस अवसर पर खुशी मना रहा है।

रेड्डी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि संसद में प्रियंका का पदार्पण देश और लोकतंत्र के लिए एक अहम दिन साबित होगा। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा, हमारी नेता श्रीमती प्रियंका गांधी जी को वायनाड लोकसभा क्षेत्र में शानदार, रिकॉर्ड जीत पर हार्दिक बधाई। संसद में उनका पदार्पण हमारे देश और लोकतंत्र के लिए एक ऐतिहासिक दिन साबित होगा। महिलाओं को

पहले जैसी आवाज मिलेगी। कांग्रेस परिवार का हर सदस्य इस शानदार जीत का जश्न मना रहा है। प्रियंका गांधी वाद्रा ने वायनाड लोकसभा सीट पर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा)-नीत वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के सत्यन मोकेरी को 4.1 लाख से अधिक मतों के अंतर से हराकर अपनी पहली चुनावी जीत दर्ज की। इस बीच, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के वरिष्ठ पर्यवेक्षक और झारखंड विधानसभा चुनावों के लिए मुख्य प्रचारक उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि वह राज्य के लोगों को इंडिया गठबंधन में अपने विश्वास की पुष्टि करने और एक बार फिर से जन-समर्थक, गरीब-समर्थक सरकार चुनने के लिए तहे दिल से धन्यवाद देते हैं। रांची में मौजूद विक्रमार्क ने कहा, इस शानदार जीत के लिए इंडिया गठबंधन के सभी उम्मीदवारों को बधाई! यह झारखंड के अधिकारों की रक्षा करने और हमारी पांच गारंटी के माध्यम से इसके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध नेतृत्व में लोगों के अटूट विश्वास को दर्शाता है।

हेमंत सोरेन ने पेश किया सरकार बनाने का दावा, 28 नवंबर से संभालेंगे झारखंड की कमान

रांची, 24 नवम्बर। झारखंड विधानसभा चुनाव में जीत के बाद रविवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता हेमंत सोरेन ने सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया है। उन्होंने राजभवन जाकर झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुलाकात की और मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया। इसके बाद हेमंत ने सरकार बनाने का दावा पेश किया। वह 28 नवंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। बता दें, झारखंड विधानसभा चुनाव में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में इंडिया ब्लॉक ने 56 सीटों पर जीत हासिल की। राज्य के गठन के बाद यह पहला मौका है, जब किसी सरकार को दूसरी बार

सरकार बनाने के लिए जनादेश मिला है।

गंगवार से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए सोरेन ने कहा, 'आज हमने महागठबंधन की ओर से नए सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू की है। आज हमने राज्यपाल के पास वर्तमान सरकार से इस्तीफा देते हुए आगामी सरकार के लिए दावा पेश किया है। उन्होंने मुझे कार्यवाहक मुख्यमंत्री का जिम्मा सौंपा है। इस दौरान कांग्रेस और आरजेडी के प्रभारी भी हमारे साथ रहे। 28 नवंबर को शपथ ग्रहण समारोह का कार्यक्रम होगा।'

हेमंत सोरेन की झामुमो नीत गठबंधन ने शनिवार को झारखंड में शानदार जीत हासिल करते हुए लगातार दूसरी बार सत्ता हासिल की। ह्यइंडियाह्ण गठबंधन ने ??81 सदस्यीय विधानसभा में 56 सीट जीती हैं। हालांकि, भाजपा नीत राजग को भारी महज 24 सीट मिलीं। राज्य विधानसभा में बहुमत के लिए 41 सीट की जरूरत होती है। सोरेन झारखंड के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। झारखंड का गठन 15 नवंबर 2000 को हुआ था।

मणिपुर में विधायकों के आवासों पर आगजनी के मामले में सात और लोग गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर की इंफाल घाटी में विधायकों के आवासों पर 16 नवंबर को हुई तोड़फोड़ तथा आगजनी की घटना में शामिल होने के आरोप में सात और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक आधिकारिक बयान में रविवार को यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया कि पिछले दो दिनों में ये गिरफ्तारियां की गईं। पुलिस की ओर से जारी बयान में कहा गया कि काकचिंग जिले से शुक्रवार को तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसमें कहा गया कि इस मामले में सात और लोगों की गिरफ्तारी के साथ अब तक कुल 41 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने शुक्रवार को कहा कि 16 नवंबर को प्रदर्शन के दौरान मंत्रियों और विधायकों की संपत्ति लूटने में शामिल संदिग्धों की पहचान कर ली गई है।

मायावती ने किया बड़ा ऐलान, कोई भी उपचुनाव नहीं लड़ेगी बसपा

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने रविवार को एक बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि उनकी पार्टी अब कोई भी उपचुनाव नहीं लड़ेगी। उत्तर प्रदेश में नौ विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में करारी शिकस्त मिलने के बाद मायावती ने यह फैसला लिया है। इतना ही नहीं बसपा प्रमुख ने चुनाव में धांधली का आरोप लगाया और ईवीएम पर भी सवाल उठाए।

मायावती ने कहा, 'उत्तर प्रदेश में 9 विधानसभा की सीटों पर हुए उपचुनाव में इस बार जो मतदान हुआ है और उसके बाद जो कल नतीजे आए हैं, उसको लेकर लोगों में आम चर्चा है कि पहले देश में बैलेट पेपर के जरिए चुनाव जीतने के लिए सत्ता का दुरुपयोग करके फर्जी वोट डाले जाते थे और अब तो EVM के

जरिए भी ये कार्य किया जा रहा है, जो लोकतंत्र के लिए बहुत दुख और चिंता की बात है।'

उन्होंने कहा, 'देश में लोकसभा और राज्यों में विधानसभा चुनावों के साथ-साथ खासकर उपचुनावों में तो अब ये कार्य काफी खुलकर किया जा रहा है। ये सब हमें हाल ही में हुए उत्तर प्रदेश के उपचुनाव में देखने को भी मिला है।

महाराष्ट्र राज्य में विधानसभा के हुए आम चुनाव में भी इसे लेकर काफी आवाजें उठाई जा रही है।

जामा मस्जिद का सर्वे करने पहुंची टीम पर पथराव

पुलिस ने भीड़ पर किया बल प्रयोग, 10 लोगों को हिरासत में लिया

संभल, 24 नवम्बर। उत्तर प्रदेश के संभल में तनाव के बीच जामा मस्जिद का दूसरा सर्वेक्षण सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। संभल के एसपी कृष्ण कुमार ने इस बात की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण सफलतापूर्वक पूरा हो गया है और कानून-व्यवस्था नियंत्रण में है। उन्होंने बताया कि 10 लोगों को हिरासत में लिया गया है और हिंसा की जांच शुरू कर दी गई है। बता दें, स्थानीय अदालत में एक याचिका दाखिल करके दावा किया गया है कि उस स्थान पर हरिहर मंदिर था। इसके बाद अदालत ने जामा मस्जिद का सर्वेक्षण करने का आदेश दिया। अदालत के आदेश पर मंगलवार को पहले सर्वेक्षण हुआ था, तभी से इलाके में तनाव बना हुआ है। इस

दौरान के कई वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आये हैं।

संभल के एसपी कृष्ण कुमार ने कहा, 'कोर्ट के आदेश के अनुसार, संभल जिले में जामा मस्जिद का सर्वेक्षण किया जाना था। सर्वेक्षण के विरोध में कुछ लोग एकत्र हुए और सर्वेक्षण के समय पथराव शुरू कर दिया। पुलिस ने इस पर जवाबी कार्रवाई की। जामा मस्जिद के परिसर के पास खड़ी उप-निरीक्षकों की कुछ गाड़ियों को आग लगा दी गई। वर्तमान में कानून-व्यवस्था नियंत्रण में है। हर जगह शांति और व्यवस्था कायम है। फिर से ड्यूटी लगाई जा रही है, सर्वेक्षण सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। रविवार सुबह सात बजे करीब एक टीम दूसरी बार जामा मस्जिद का सर्वेक्षण करने पहुंची थी। टीम के विवादित स्थल पर पहुंचते ही भीड़ जमा हो गयी।

भीड़ में से कुछ अराजक तत्वों ने सर्वेक्षण टीम और पुलिस पर पत्थरबाजी की। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए भीड़ पर आंसू गैस के गोले दागे और हल्का बल प्रयोग किया। बता दें, सर्वेक्षण टीम में वकील विष्णु शंकर जैन भी शामिल थे। विष्णु शंकर जैन और उनके पिता हरि शंकर जैन ने ज्ञानवापी मस्जिद-काशी विश्वनाथ मंदिर विवाद सहित पूजा स्थलों से संबंधित कई मामलों में हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व किया है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने कहा, 'घटनास्थल के पास एकत्रित भीड़ में से कुछ उपद्रवी बाहर आए और उन्होंने पुलिस दल पर पथराव किया।

भारत में शोषण एवं अपराधमुक्त नया बचपन उभरे

-ललित गर्ग

हम में से प्रत्येक को बच्चों के अधिकारों की वकालत करने, उन्हें बढ़ावा देने, उनके शोषण को रोकने, उनका समग्र विकास करने और बच्चों का उत्सव मनाने के लिए एक प्रेरणादायी अवसर के रूप में सार्वभौमिक बाल दिवस 20 नवम्बर को मनाया जाता है। इसकी स्थापना 1954 में हुई थी। 20 नवंबर एक महत्वपूर्ण तारीख है क्योंकि इसी दिन 1959 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बाल अधिकारों की घोषणा को अपनाया था। इसी दिन 1989 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बाल अधिकारों पर कन्वेंशन को भी अपनाया था। सार्वभौमिक बाल दिवस पहली बार 1925 में जिनेवा, स्विटजरलैंड में बाल कल्याण के विश्व सम्मेलन में घोषित किया गया था। हालाँकि, इसे आधिकारिक तौर पर दुनिया भर में मान्यता नहीं मिली, लेकिन 1954 में ब्रिटेन ने अन्य देशों को बच्चों के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देने और दुनिया भर में बाल कल्याण में सुधार की दिशा में कदम उठाने के लिए एक दिन स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया। सार्वभौमिक बाल दिवस, जिसे विश्व बाल दिवस या सिर्फ.बाल दिवस के नाम से भी जाना जाता है, दुनिया भर में बच्चों के सामने आने वाले मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाने वाला एक वार्षिक कार्यक्रम है। बाल अधिकारों की घोषणा बच्चों के अधिकारों को बढ़ावा देने वाला एक अंतरराष्ट्रीय दस्तावेज है। इसे मूल रूप से मानवाधिकार कार्यकर्ता एग्लेंटाइन जेब ने प्रस्तावित किया था और 1924 में राष्ट्र संघ द्वारा अपनाया गया था, इससे पहले 1959 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा इसका विस्तारित संस्करण पेश किया गया था। एग्लेंटाइन जेब एक समाज सुधारक और पूर्व शिक्षिका थीं, जिन्होंने 1919 में सेव द चिल्ड्रन नामक चैरिटी की स्थापना की थी। प्रथम विश्व युद्ध के परिणामस्वरूप मुख्य भूमि यूरोप में बच्चों को जिस गरीबी का सामना करना पड़ रहा था, उससे वह भयभीत थीं और उन्होंने पर्चे बाँटकर जागरूकता फैलाने की कोशिश शुरू कर दी। उनके जुनून के कारण उन्हें गिरफ़्तार कर लिया गया और उन पर जुमार्ना लगाया गया, लेकिन जज उनसे इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने उनका जुमार्ना खुद ही भर दिया।

जिनेवा में एक बाल सम्मेलन आयोजित हुआ, जिसमें जेब ने बाल अधिकारों की घोषणा की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए एक प्रस्तुति दी, जिसमें उन्होंने लिखा कि बच्चे को उसके सामान्य विकास के लिए आवश्यक साधन उपलब्ध कराए जाने चाहिए, भौतिक और आध्यात्मिक दोनों रूप से। जो बच्चा भूखा है उसे भोजन दिया जाना चाहिए, जो बच्चा बीमार है उसे दूध पिलाया जाना चाहिए, जो बच्चा पिछड़ा है उसकी मदद की जानी चाहिए, अपराधी बच्चे को वापस लाया जाना चाहिए, तथा अनाथ और बेसहारा बच्चे को आश्रय और सहायता दी जानी चाहिए। संकट के समय सबसे पहले बच्चे को राहत मिलनी चाहिए। बच्चे को आजीविका कमाने की स्थिति में रखा जाना चाहिए तथा उसे हर प्रकार के शोषण से बचाया जाना चाहिए। बच्चे को इस चेतना के साथ बड़ा किया जाना चाहिए कि उसकी प्रतिभाएं उसके साथियों की सेवा के लिए समर्पित होनी चाहिए। दुनिया भर में बच्चों की दुर्दशा के बारे में भावुकतापूर्वक बात करते हुए उस समय उजागर की गयी ये बातें आज भी अधिक प्रासंगिक बनी हुई है। इसलिये सार्वभौमिक बाल दिवस को अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने की अपेक्षा है। भारत के सन्दर्भ में सार्वभौमिक बाल दिवस को अधिक प्रासंगिक एवं कारगर बनाने की जरूरत है। भारत में कई ऐसे बड़े नेता और दिग्गज लोग हुए हैं, जिनका बच्चों के प्रति प्रेम जग-जाहिर है। देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू हों या पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम दोनों दिग्गजों ने बच्चों के हित में व्यापक कार्य किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने शानदार व्यक्तित्व और हर उम्र के लोगों से जुड़ने के लिए जाने जाते हैं। बच्चों के प्रति उनका स्नेह कुछ खास है। नेहरू की ही भांति उन्हें भी बच्चों का प्रेमी कहा जा सकता है। आज वे एक विश्वनेता के रूप में उभरे हैं, अतः उन्हें देश एवं दुनिया के बच्चों के कल्याण के लिये कोई बड़ा उपक्रम करना चाहिए। विशेषतः भारत के बच्चों के लिये। क्योंकि भारत में बच्चों के शोषण, उत्पीड़न, दुर्दशा, हिंसा की घटनाएं कम होने का नाम नहीं ले रही है। बच्चों के अधिकारों, शिक्षा और कल्याण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए पूरे भारत में बाल दिवस मनाया जाता है। मोदी बच्चों को देश के भविष्य की तरह देखते थे। वे बच्चों के मासूम चेहरों और चमकती आँखों में भारत का भविष्य देख रहे हैं। उनका कहना है कि बच्चों का जैसा पालन-पोषण करेंगे वह देश का भविष्य निर्धारित करेगा। लेकिन भारत का यह बचपन रूपी भविष्य आज नशे, शोषण, बाल-मजदूरी एवं अपराध की दुनिया में धंसता चला जा रहा है। बचपन डरावना एवं भयावह हो गया है। आखिर क्या कारण है कि बचपन अपराध की अंधी गलियों में जा रहा है? बचपन इतना उपेक्षित एवं बदहाल क्यों हो रहा है? बचपन के प्रति न केवल अभिभावक, बल्कि समाज और सरकार इतनी बेपरवाह कैसे हो गयी है? यह और ऐसे अनेक प्रश्न सार्वभौमिक बाल दिवस की भारत के सन्दर्भ में प्रासंगिकता को उजागर करते हुए हमें झकझोर रहे हैं।

बाल मजदूरी से बच्चों का भविष्य अंधकार में जाता ही है, देश भी इससे अछूता नहीं रहता क्योंकि जो बच्चे काम करते हैं वे पढ़ाई-लिखाई से कोसों दूर हो जाते हैं और जब ये बच्चे शिक्षा ही नहीं लेंगे तो देश की बागडोर क्या खाक संभालेंगे? इस तरह एक स्वस्थ बाल मस्तिष्क विकृति की अंधेरी और संकरी गली में पहुँच जाता है और अपराधी की श्रेणी में उसकी गिनती शुरू हो जाती हैं। बचपन की उपेक्षा एक अभिशाप है। जब हम किसी गली, चौराहे, बाजार, सड़क और हाईवे से गुजरते हैं और किसी दुकान, कारखाने, रैस्टोरेंट या ढाबे पर 4-5 से लेकर 12-14 साल के बच्चे को टायर में हवा भरते, पंक्चर लगाते, चिमनी में मुंह से या नली में हवा फूंकते, जूठे बर्तन साफ करते या खाना परोसते देखते हैं और जरा-सी भी कमी होने पर उसके मालिक से लेकर ग्राहक द्वारा गाली देने से लेकर, धकियाने, मारने-पीटने और दुर्व्यवहार होते देखते हैं तो अक्सर में क्या लेना है कहकर अपने रास्ते हो लेते हैं। लेकिन कब तक हम बचपन को इस तरह प्रताड़ित एवं उपेक्षा का शिकार होने देंगे। कुछ बच्चे ऐसी जगह काम करते हैं जो उनके लिए असुरक्षित और खतरनाक होती है जैसे कि माचिस और पटाखे की फैक्टरियां जहां इन बच्चों से जबरन काम कराया जाता है। इतना ही नहीं, लगभग 1.2 लाख बच्चों की तस्करी कर उन्हें काम करने के लिए दूसरे शहरों में भेजा जाता है। इतना ही नहीं, हम अपने स्वार्थ एवं आर्थिक प्रलोभन में इन बच्चों से या तो भीख मंगवाते हैं या वेश्यावृत्ति में लगा देते हैं। देश में सबसे ज्यादा खराब स्थिति है बंधुआ मजदूरों की जो आज भी परिवार की समस्याओं की भेंट चढ़ रहे हैं। सच्चाई यह है कि देश में बाल अपराधियों की संख्या बढ़ती जा रही है। बच्चे अपराधी न बने इसके लिए आवश्यक है कि अभिभावकों और बच्चों के बीच बर्फ-सी जमी संवादहीनता एवं संवेदनशीलता को फिर से पिघलाया जाये। फिर से उनके बीच स्नेह, आत्मीयता और विश्वास का भरा-पूरा वातावरण पैदा किया जाए। श्रेष्ठ संस्कार बच्चों के व्यक्तित्व को नई पहचान देने में सक्षम होते हैं। अतः शिक्षा पद्धति भी ऐसी ही होनी चाहिए। मोदी सरकार सार्वभौमिक बाल दिवस जैसे आयोजनों को भारत में अधिक प्रभावी तरीके से आयोजित करें, सरकार को बच्चों से जुड़े कानूनों पर पुनर्विचार करना चाहिए एवं बच्चों के समुचित विकास के लिये योजनाएं बनानी चाहिए। ताकि इस बिगड़ते बचपन और राष्ट्र के नव पीढ़ी के कर्णधारों का भाग्य और भविष्य उज्ज्वल हो सकता है। ऐसा करके ही हम सार्वभौमिक बाल दिवस को मनाने की सार्थकता हासिल कर सकेंगे। इसी से मासूम चेहरों एवं चमकती आंखों का नया बचपन भारत के भाल पर उजागर कर सकें।

तेजी से बढ़ रहा है राष्ट्रीय पार्टियों का दबदबा, घबराहट में क्षेत्रीय दल

अशोक भाटिया

इस वर्ष 2024 में हुए केंद्र व राज्यों के चुनावों में देखने लायक सबसे बड़ी बात यह है कि मतदाताओं ने क्षेत्रीय दलों की अपेक्षा राष्ट्रीय पार्टियों को वोट देना उचित समझा। हालिया रिजल्ट देख कर क्षेत्रीय दलों में घबराहट है और खास कर उन दलों में जो एक विशेष जाति या समुदाय के भरोसे राजनीति करते है। हाल के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के नतीजों में महायुति को प्रचंड जीत हासिल हुई है। बीजेपी लगातार तीसरी बार राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी बीजेपी ने 132 सीटें जीती हैं। महायुति में शामिल मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना को 57 सीटों पर जीत मिली है तो वहीं महायुति के तीसरे सबसे बड़े घटक अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को कुल 41 सीटें मिली हैं। कुछ अन्य छोटे सहयोगियों को मिलाकर महायुति ने राज्य की 288 सीटों में 234 पर जीत हासिल की है।

विधानसभा चुनावों में विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी (एमवीए) को सिर्फ 48 सीटें मिली हैं। इनमें उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना को सर्वाधिक 20, कांग्रेस पार्टी को 16 और शरद पवार की अगुवाई वाली एनसीपी ने 10 सीटों पर जीत हासिल की है। समाजवादी पार्टी को दो सीटों पर जीत मिली है। छोटे दलों को केवल 10 सीटें मिली है . उन 10 सीटों में कुछ छोटे दल और निर्दलीय शामिल हैं।असुदद्दीन ओवैसी की अगुवाई वाली एआईएमआईएम को विधानसभा चुनावों में सिर्फ एक सीट जीत मिली। पार्टी के उम्मीदवार ने 162 वोट से जीतकर मालेगांव सेंट्रल सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखा। इनमें जन सुराज्य शक्ति 2 , कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (एम)1 , पीजेंट एंड वर्कर्स पार्टी ऑफ इंडिया 1 .निर्दलीय 2 . राज ठाकरे की अगुवाई वाली मनसे को राज्य में 1.55 फीसदी वोट मिले। तो वहीं महाराष्ट्र की 230 से अधिक सीटों पर लड़ी बहुजन समाज पार्टी को सिर्फ 0.48 फीसदी वोट मिले। इससे पूर्व हरियाणा व जम्मू-कश्मीर के चुनाओं को देखें तो उसमें नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन भारतीय जनता पार्टी पर भारी पड़ा पर भले ही सरकार नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन कि बनी पर भारतीय जनता पार्टी का वोट प्रतिशत 25.64% रहा, जो नेशनल कॉन्फ्रेंस से अधिक रहा । दूसरे दलों की बात करें तो वे दूर झ दूर तक दिखाई नहीं दिए । नेशनल कॉन्फ्रेंस- 42 बीजेपी-29 कांग्रेस-6 पीडीपी-3 मार्क्सवादी म्युनिस्ट पार्टी (सीपीएम)- 1 जम्मू और कश्मीर पीपुल कॉन्फ्रेंस (जेपीसी)-1 आम आदमी पार्टी-1 स्वतंत्र उम्मीदवार- 7 यानी वर्चस्व बड़े दलों का रहा .

यदि हरियाणा के चुनाव को देखा जाय तो वहां सीधी लड़ाई कांग्रेस व भाजपा में रही , और आंकड़े देखे तो कांग्रेस ने सीपीएम के साथ मिलकर 90 सीटों पर चुनाव लड़ा और एक सीट सीपीएम को दी. वहीं भाजपा ने 89 सीटों पर चुनाव लड़ा. दुष्यंत चौटाला की जेजेपी ने चंद्रशेखर आजाद की एएसपीकेआर (अरढडफ) के साथ मिलकर कुल 78 सीटों पर चुनाव लड़ा. जेजेपी 66 सीटों पर लड़ी तो एएसपीकेआर 12 सीटों पर. वहीं अभय चौटाला की आईएनएलडी और बसपा (इरढ) ने कुल 86 सीटों पर चुनाव लड़ा. इसमें आईएनएलडी 51 सीटों पर तो बसपा 35 सीटों पर चुनाव लड़ी. अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी तो सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ी.भाजपा को 48 सीट व कांग्रेस को 37 सीट , इंडियन नेशनल लोक दल- 2 निर्दलीय- 3

गौरतलब है कि केंद्र और राज्यों में जिस हिसाब से भाजपा और कांग्रेस का दबदबा बढ़ता जा रहा है। इसे छोटी पार्टियों के लिए खतरे की घंटी के तौर पर देखा जा रहा है। 2024 का लोकसभा चुनाव छोटी पार्टियों के लिए अस्तित्व को बचाने की लड़ाई रही । कभी यही छोटे दल केंद्र और राज्य में किंगमेकर की भूमिका निभाते थे, लेकिन आज इनका दबदबा अपने ही क्षेत्र कम होता जा रहा है। इसके पीछे की बड़ी वजह कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधी टक्कर है।

2014 के लोकसभा चुनाव के बाद से ही छोटी पार्टियां का दखल केंद्र और राज्यों से धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा है, जिन राज्यों में भाजपा और कांग्रेस का स्ट्राइक रेट हाई है, वहां पर तो छोटी पार्टियों का वजूद भी खतरे में है। कर्नाटक और अब तेलंगाना विधानसभा चुनाव की ही बात करें तो दोनों ही राज्यों में क्षेत्रीय दल का सफाया कांग्रेस ने कर दिया। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ चुनाव में भी क्षेत्रीय दलों का पूरी तरह से मतदाताओं ने इग्नोर कर दिया है। इसीलिए छत्तीसगढ़ में अजीत जोगी की पार्टी का खाता नहीं खुला तो मध्य प्रदेश में सपा, आम आदमी पार्टी सहित बसपा खाता नहीं खोल सकी। इसी तरह राजस्थान में भी क्षेत्रीय पार्टियों का सियासी हश्र रहा। मध्यप्रदेश में आप को 0 .54 फीसदी ,बीएसपी को 3.40 ,जेडीयू को 0.02 और समाजवादी पार्टी को 0.46 फीसदी वोट मिले । छत्तीसगढ़ में आप को 0.93 फीसदी , बीएसपी को 2 .05 फीसदी वोट मिले ।राजस्थान में हालाँकि इंडियन नेशनल लोकदल ने 1 और भारत आदिवासी पार्टी ने 3 सीटें जीती । बीएसपी को 2 सीटें मिली ।लेकिन यहाँ भी मुख्य मुकाबला 2 राष्ट्रीय दलों के बीच रहा ।

ध्यान देने योग्य यह बात है कि मध्यप्रदेश में आप पार्टी ने 70 से ज्यादा उम्मीदवार खड़े किये थे और समाजवादी पार्टी वहां 46 सीटों पर लड़ीं थी । कहा जा रहा है कि करीबी लड़ाई वाली कई सीटों पर समाजवादी पार्टी ने हर जीत से ज्यादा वोट पाए । बीएसपी,समाजवादी और आप पार्टी जैसे दलों के चुनाव मैदान में उतरने से जिस जाति के मतदाताओं के दम पर ये चुनाव लड़ रहे थे उनके वोट बिखर गए और उसका सीधा फायदा भाजपा को मिला। अब बात करें तेलंगाना की कांग्रेस को छत्तीसगढ़ और राजस्थान अपने दो राज्यों की सत्ता गंवानी पड़ी है, लेकिन तेलंगाना की सियासी बाजी अपने नाम कर ली है। कर्नाटक के बाद तेलंगाना में कांग्रेस 119 सीटें में से 64 सीटें जीकर दक्षिण भारत के एक और राज्य में पूर्ण बहुमत की सरकार बना ली है। तेलंगाना में मिली कांग्रेस की जीत और बीआरएस की हार का सियासी प्रभाव सिर्फ दक्षिण की सियासत तक ही सीमित नहीं बल्कि क्षेत्रीय की राजनीति पर भी पड़ेगा।

तेलंगाना में बीआरएस को असदुद्दीन ओवैसी का साथ भी नहीं बचा सका और केसीआर सत्ता की हैट्रिक लगाने से चूक गए। ओवैसी भले ही सात सीटें अपनी बचाने में कामयाब रहे, लेकिन केसीआर की सत्ता नहीं बचा पाए। कर्नाटक के बाद अब तेलंगाना के नतीजे बताते हैं कि मुसलमानों का भरोसा क्षेत्रीय दलों से उठ रहा है और कांग्रेस की तरफ उनका झुकाव तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे सोचने वाली बात यह है कि तेलंगाना में कांग्रेस की जीत क्या अखिलेश यादव के लिए बुरी खबर है?

देखा जाय तो मुस्लिमों का वोटिंग पैटर्न तेजी से बदल रहा है। पहले दिल्ली के एमसीडी चुनाव में मुसमलानों ने आम आदमी पार्टी से मूंह मोड़ा और कांग्रेस के पक्ष में वोट किया। मुसलमान यह बात अच्छे से जानते हुए कि मुकाबला भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच है और कांग्रेस चुनावी लड़ाई में नहीं है। मुस्लिमों का कांग्रेस के पक्ष में वोटिंग करना सियासी बदलाव के तौर पर देखा गया। दिल्ली के बाद कर्नाटक के चुनाव में मुसमलानों ने एकमुश्त वोट कांग्रेस के पक्ष में किया और जेडीएस को पूरी तरह से दरकिनार कर दिया था। जेडीएस ने 23 मुस्लिम कैंडिडेट उतारे थे, लेकिन मुस्लिम इन सीटों पर कांग्रेस के हिंदू कैंडिडेट के पक्ष में वोटिंग किया था। एचडी देवगौड़ा के मजबूत गढ़ पुराने मैसूर क्षेत्र में मुस्लिम मतदाताओं को जेडीएस का कोर वोटबैंक माना जाता था, जहां पर 14 फीसदी मुस्लिम हैं। इस बार के चुनाव में मुस्लिम मतदाता जेडीएस को दरकिनार कर कांग्रेस पार्टी के पक्ष में एकजुट हो गए थे। वहीं, अब मुस्लिमों ने तेलंगाना चुनाव में ओवैसी की पार्टी को पुराने हैदराबाद के इलाके की सीटों पर वोट किया, लेकिन तेलंगाना के बाकी इलाके में कांग्रेस के साथ रहे।

देश भर के मुस्लिमों की रहनुमाई का दावा करने वाले असदुद्दीन ओवैसी का गृह राज्य तेलंगाना है। ओवैसी ने तेलंगाना में केसीआर का खुलकर समर्थन किया था। मुस्लिमों ने हैदराबाद में उनकी परंपरागत सात सीटों पर भरोसा जताया, लेकिन बाकी हिस्से में उनका जादू मुस्लिमों पर नहीं चला। ओवैसी के सहारे मुस्लिम वोटों की पूरी तरह से मिलने की आस अधूरी रह गई है। मुस्लिम ने बीआरएस का साथ छोड़कर कांग्रेस के पक्ष में वोट किया जबकि सीएम केसीआर ने सत्ता में रहते हुए मुस्लिमों के लिए बहुत सारे काम किए थे। इसके बावजूद मुसलमानों ने बीआरएस के बजाय कांग्रेस को वोट किया। केसीआर ने अलग से आईटी-पार्क, शादी मुबारक जैसी योजना के बाद मुस्लिमों ने राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस को मजबूत करने के लिए उसी तरह से किनारे कर दिया, जिस तरह से कर्नाटक में जेडीएस को किया था। मुसलमानों का वोट एकतरफा कांग्रेस को मिला, क्योंकि उन्हें लग रहा है कि राष्ट्रीय राजनीति में भाजपा से मुकाबला करने में क्षेत्रीय दल से ज्यादा कांग्रेस सक्षम होगी। इसलिए कांग्रेस को मजबूत करने की मंशा से वोट कर रहा है।

कांग्रेस ने तेलंगाना में बीआरएस को भाजपा की बी-टीम होने का आरोप लगाती रही, जिसके चलते मुस्लिमों को लगा है कि बीआरएस चुनाव के बाद भाजपा के साथ गठबंधन कर सकती है। इसी तरह कांग्रेस ने कर्नाटक में जेडीएस को भाजपा की बी-टीम बताकर मुस्लिमों को बीच उसे कठघरे में खड़ा कर दिया था। अरविंद केजरीवाल पर भी कांग्रेस ऐसे ही सवाल खड़े करती रही है और उन्हें भाजपा की बी-टीम बताती रही। यह रणनीति कांग्रेस को फायदेमंद नजर आ रही है और मुस्लिमों का क्षेत्रीय दलों से मोहभंग हो रहा है।

राहुल गांधी की ‌भारत जोड़ो यात्रा‌ के बाद कांग्रेस मुस्लिम समुदाय का भरोसा जीतने में लगातार कामयाब होती दिख रही है। लोकसभा चुनाव 2024 को देखते हुए कांग्रेस पार्टी के लिए तेलंगाना की जीत अच्छी खबर है, लेकिन सपा को टेंशन दे दी है। 2022 विधानसभा चुनावों को देखें तो उत्तरप्रदेश में मुसलमानों का एकमुश्त वोट सपा को मिला था। इसी तरह से बिहार में आरजेडी और पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी पर भरोसा जताया था। मुस्लिम मतों के बदौलत ही सपा से लेकर आरजेडी और ममता तक सभी क्षेत्रीय दल सत्तासुख भोग रहे हैं। हालांकि, अब अगर मुसलमानों ने कांग्रेस में वापसी कर ली तो इन क्षेत्रीय दलों की हालत पतली हो जाएगी।

पाकिस्तान के बाद अब कनाडा भी बना भारत की परेशानियों का सबब

संजीव ठाकुर

स्वतंत्रता के बाद से ही चीन और पाकिस्तान भारत के लिए स्थाई सिरदर्द बने हुए हैं’ पिछले दो दशक से अब कनाडा भी भारत के लिए परेशानी का सबक बन गया है। कनाडा शुरू से खालिस्तानी आतंकवादियों का केंद्र रहा है भारत में खालिस्तानी आतंकवाद को जन्म देने के लिए और भारत को अशांत करने के लिए पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आई,एस,आई उसे हर तरह की मदद ट्रेनिंग और आर्थिक मदद देता आ रहा है। खालिस्तान के आतंकवादियों को कनाडा के वीजा से पाकिस्तान गए पनाह देकर आतंकवादी गतिविधियों की ट्रेनिंग देता आया है इसके अलावा वह उन्हें फंडिंग भी करता है, कनाडा अपने राजनीतिक हित में आतंकवादियों और पाकिस्तान का अपने देश खुलकर साथ दे रहा है। यह तो कर विदित है कि चीन पाकिस्तान का भी वित्तपोषक है, और चीन से प्राप्त अरबों डॉलर की मदद का बड़ा हिस्सा अपनी सेना के बजट में शामिल करता है और पाकिस्तान आर्मी अपनी खुफिया एजेंसी की मदद से भारत में अन्य आतंकवादी संगठनों के साथ खालिस्तान आतंकवादियों को भी उकसाकर आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देता है। भारत लगातार कनाडा तथा खालिस्तानी आतंकवादियों की गतिविधियों को उजागर कर संयुक्त राष्ट्र संघ की सभा में अपनी आवाज उठाता रहा है पर कनाडा पाकिस्तान और चीन के कान में जून तक नहीं रेंगती है। ड्रैगन एशिया की शांति के साथ वैश्विक शांति के लिए भी बहुत बड़ा खतरा बना हुआ है फिर चाहे दोस्ती का मामला हो या दुश्मनी का। चीन भारत का परंपरागत दुश्मन है ही और गाहे-बगाहे वह भारत की सीमा पर अतिक्रमण करता रहता है ।इसी तरह ड्रैगन अपने छोटे-छोटे मित्र राष्ट्रों को जिनकी वह मदद करता है उनके कई क्षेत्रों में कब्जा जमा चुका है। इसका सबसे बड़ा एवं ताजा उदाहरण श्रीलंका है। श्रीलंका चीन के कारण कंगाली के कगार पर पहुंच चुका था, अब पाकिस्तान की बारी है वह अब बाल्टीस्तान को पाकिस्तान से कई वर्षों के लिए अपनी दी गई उधारी के बदले लीज पर लेने वाला है वह भी पूरी तरह से कंगाल हो चुका है। पाकिस्तान की हैसियत अब चीन से लिए गए कर्जे को वापस करने की रह नहीं गई है कि इन परिस्थितियों में पाकिस्तानी सरकार ने चीन के सामने घुटने टेक दिए हैं। अब पाकिस्तान चीन की हर शर्त मानने को तैयार है। नेपाल तथा बांग्लादेश भी चीन की दादागिरी से त्रस्त हैं। चीन के लिए लद्दाख तथा हिमाचल प्रदेश में घुसपैठ का अनुकूल समय आने वाला है, वर्षा ऋतु तथा ठंड उसके लिए घुसपैठ का अनुकूल समय होता है। भारत को सीमा पर चीन तथा पाकिस्तान से उसे सावधानी रखनी होगी तब जाकर देश की रक्षा हो सकेगी।

अब ड्रैगन का एक ही सिद्धांत है विस्तार वाद और वह भी किसी भी कीमत पर,अब चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग एक डिक्टेटर की तरह चीन के प्रशासन को हंटर से चला रहे है और विदेश नीति में वह अत्यंत लालची, विस्तार वादी हो गया है। चीन पिछले कई दशक से अपनी आर्थिक तथा सामरिक शक्ति को बढ़ाने में लगा हुआ है। और इसी आर्थिक तथा युद्ध कला की शक्ति पर वह कई देशों को अपने कुत्सित इरादों के चलते खुलेआम धमकी भी देने लगा है। इजराइल फिलिस्तीन युद्ध के समय उसने फिलिस्तीन का साथ देते हुए इजरायल तथा अमेरिका को स्पष्ट तौर पर धमकाया था, कि युद्ध यदि आगे बढ़ा और अमेरिका ने इस युद्ध में दखल दिया तो अमेरिका बुरी तरह हार का मुंह देखेगा। चीन के प्रवक्ता ने यह भी कहा था कि इस युद्ध में अमेरिका की मुस्लिम देशों के प्रति उदारवादी मानव अधिकार की नीति कहां अचानक गायब हो गई,ऐसे में इसराइल तथा अमेरिका की चीन खुलेआम खिलाफत करता रहा है। चीन ने मूल रूप से चीन सागर तथा अरब सागर में अपने आप सामरिक बेड़े तथा समुद्री जहाजों को भेजकर वैश्विक स्तर पर अमेरिका फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, जापान, मलेशिया, भारत,तथा अन्य पड़ोसी देशों में अशांति तथा भय का वातावरण बना दिया था ।चीन के समुद्री सीमा पर कई देशों की सीमाओं के अतिक्रमण के फल स्वरुप अमेरिका, फ्रांस, जापान तथा भारत इन 4 देशों में चीन के विरुद्ध एक महत्वपूर्ण क्वाड सम्मेलन पिछले कुछ माह पहले आयोजित किया था। जिसमें इन 4 देशों ने आपसी सहयोग कर अरब चीन तथा प्रशांत महासागर में चीन की दादागिरी तथा विस्तार वादी नीति को नियंत्रण में रखने के लिए अनेक समझौते किए, और इसके पश्चात नौसैनिक संयुक्त अभ्यास भी किए थे, इस नौसैनिक अभ्यास तथा संयुक्त समझौते ने चीन को चौकन्ना कर दिया था। एवं भारत की रूस से पुरानी दोस्ती में खलल डालने का भी प्रयास चीन सरकार द्वारा किया गया,चीन नहीं चाहता है कि रूस अपना वरदहस्त भारत पर रखें। और इसी के चलते उसने लद्दाख की भूमि पर अतिक्रमण करने की कोशिश की थी,पर भारत की सामरिक शक्ति ने उसके इस बाहुबली प्रयास को नेस्तनाबूद कर दिया था। चीन अपनी आर्थिक तथा सामरिक ताकत के बल पर अमेरिका को सीधी टक्कर देने की स्थिति में आ गया है। और वह बाकी देशों को अपने बताए गए निर्देशों का पालन करने के लिए बाध्य करना चाहता है। इस स्थिति में 4 देशों का क्वाड सम्मेलन चीन की सामरिक ताकत के खिलाफ एक सशक्त मुहिम मानी गई है। विगत दिनों चीन ने बांग्लादेश को स्पष्ट धमका कर कह दिया है कि यदि बांग्लादेश क्वाड सम्मेलन के किसी भी देश अथवा समुद्री सीमा पर उनकी मदद करेगा। तो चीन से बुरा कोई नहीं होगा। चीन में भूटान, नेपाल,बांग्लादेश तथा पाकिस्तान की सीमा पर भूमि को आधिपत्य में लेकर अपने कई सामरिक गांव बना लिए हैं,और चीन सागर पर वह अपनी सामरिक गतिविधि तेज कर चुका है। मलेशिया तथा इंडोनेशिया के समुद्री क्षेत्र में वह अतिक्रमण कर चुका है। चीन अपने कुल मिलाकर 18 पड़ोसी देशों की समुद्री सीमा तथा भूमि पर कब्जा जमाने के जुगत में कई जगह अतिक्रमण कर चुका है। वह अपनी विस्तार वादी नीति को आर्थिक समृद्धि एवं सामरिक शक्ति के दम पर पूरे विश्व में अपनी ताकत तथा शक्ति का प्रदर्शन करना चाहता है, बड़े देशों में अमेरिका, फ्रांस,ऑस्ट्रेलिया,इंग्लैंड चीन के सीधे निशाने पर है। वहीं अमेरिका चीन के साथ कई हुए समझौतों को विगत दिनों वर्तमान राष्ट्रपति जो वार्डन के नेतृत्व में बर्खास्त कर चुका है। इससे यह तो स्पष्ट हो गया कि अमेरिकी नवीन प्रशासन चीन की विस्तार वादी नीतियों को भापकर उसका खुला विरोध कर रहा है। और इस विरोध की आग में घी का काम इजराइल फिलिस्तीन युद्ध में अमेरिका द्वारा इजराइल को समर्थन देकर कर दिया।

पिछले कई वर्षों से चीन भारत की सैन्य शक्ति को सदैव कम करने तथा उसकी घेराबंदी का प्रयास करता रहा है। और इसी कोशिश के अंतर्गत वह पाकिस्तान जैसे भारत के दुश्मन देश को परमाणु अस्त्र मिसाइल, आधुनिक तकनीक तथा युद्ध की सामग्री मुहैया कराता रहा है। और ऐसे देश जो भारत का थोड़ा बहुत भी विरोध करते हैं उन्हें वह राजनीतिक आर्थिक तथा सैन्य सहायता प्रदान करने से नहीं चूकता और यह प्रयास पड़ोसी देशों में भारत के प्रभाव तथा संप्रभुता को कम करने के प्रयास के अंतर्गत होता है। और इस बात के कई सबूत तथा प्रमाण हैं, कि भारत के विरोध में चीन पाकिस्तान की मदद से श्रीलंका, नेपाल तथा बांग्लादेश में भारत विरोधी तत्वों का साथ देता आया है। चीन नई वैश्विक व्यवस्था मैं अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया जापान, रूस से ऊपर सिरमौर बनना चाहता है । उसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्वाड समूह को अत्यंत संकीर्ण उद्देश्य वाला ग्रुप करार कर दिया है। चीन के कारण वियतनाम तथा फिलिपिंस की समुद्री इलाके में चीनी नौसेना की घुसपैठ से हमेशा तनाव बना रहता है,और समुद्री सीमा पर उल्लंघन के मामलों का अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय द्वारा दिए गए फैसले का सदैव चीन उल्लंघन कर फैसले की धज्जियां उड़ाई गई हैं। क्वाड देश अभी तक अपना उद्देश्य एक दूसरे से सैन्य सहयोग पर केंद्रित रखे हुए हैं। और चीन की 18 देशों में घुसपैठ तथा चीन की वैश्विक नई व्यवस्था के विस्तार वादी मंसूबों के कारण अब इन चार देशों को अन्य एशियाई देशों में भी विस्तारित करना होगा, वरना चीन अपनी विस्तार वादी तथा दादागिरी को अपना हक समझकर अशांति फैलाने का काम करता रहेगा। जो वैश्विक का अशांति का मूल कारण बन सकता है।

दिल्ली का लगातार वायु प्रदूषण संकट

दिल्ली के वायु प्रदूषण को दूर करने के लिए निवारक उपाय स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देना है जैसे सीएनजी, इलेक्ट्रिक वाहन और हाइड्रोजन जैसे स्वच्छ ईंधन पर स्विच करना वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को काफी हद तक कम कर सकता है। दिल्ली की इलेक्ट्रिक वाहन नीति के तहत, सभी डिलीवरी सेवा प्रदाताओं को 2023 तक अपने बेड़े का 50% और 2025 तक 100% इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलना होगा। किसानों को बायो-डीकंपोजर और नो-बर्न तकनीक अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने से पराली जलाने में कमी आ सकती है। महाराष्ट्र में सगुना चावल तकनीक पराली जलाने को कम करती है। सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को बढ़ाने से निजी वाहनों पर निर्भरता कम हो सकती है, जिससे उत्सर्जन पर अंकुश लग सकता है। दिल्ली मेट्रो चरण क्ष का विस्तार कनेक्टिविटी में सुधार और यातायात से सम्बंधित प्रदूषण को कम करने का लक्ष्य रखता है। पूसा द्वारा विकसित बायोडीकंपोजर का उपयोग पराली प्रबंधन के महत्त्वपूर्ण विकल्पों में से एक है।

-डॉ सत्यवान सौरभ

भारत अपने विषैले धुएँ को साफ करने में क्यों विफल रहा है? राज्य के अधिकारी एक प्रायोगिक योजना का प्रचार करते हैं जिसमें बारिश के लिए बादलों को उत्तेजित करना शामिल है, लेकिन वैज्ञानिक संशय में हैं। तकनीकी प्रगति और नीतिगत हस्तक्षेपों के बावजूद दिल्ली को अक्सर दुनिया भर में सबसे प्रदूषित शहरों में से एक माना जाता है, जहाँ वायु गुणवत्ता में गंभीर गिरावट का सामना करना पड़ रहा है। नवंबर 2024 में, वायु गुणवत्ता सूचकांक गंभीर स्तर को पार कर गया, जो कुछ क्षेत्रों में 500 तक पहुँच गया, जो 400 की ‘गंभीर’ सीमा से कहीं अधिक है। यह भयावह स्थिति शहर के बढ़ते प्रदूषण संकट से निपटने के लिए प्रभावी, दीर्घकालिक समाधानों की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करती है। सामान्य वायु प्रदूषण भारत में अपनी आधी से अधिक बिजली बनाने के लिए कोयले को जलाने से जुड़ा है। दिल्ली में, यह लाखों कारों से होने वाले उत्सर्जन और निर्माण उद्योग से निकलने वाले धुएँ के साथ मिलकर काम करता है, जहाँ कोई प्रदूषण नियंत्रण नहीं है।

कुछ लोग अक्टूबर के अंत में हिंदू रोशनी के त्यौहार दिवाली के दौरान पटाखों के व्यापक उपयोग को भी इसके लिए दोषी ठहराते हैं। अधिकारियों ने 2017 में पारंपरिक पटाखों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया था और लोगों को केवल पर्यावरण के अनुकूल रोशनी का उपयोग करने की अनुमति दी थी, लेकिन नियम को ठीक से लागू नहीं किया गया ।पीएम2.5, प्रदूषित हवा में मौजूद सूक्ष्म कण पदार्थ, फेफड़ों में गहराई तक जाकर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनता है, खासकर बच्चों, बुजुर्गों और श्वसन या हृदय की स्थिति वाले लोगों के लिए। हर साल, भारत में श्वसन सम्बंधी बीमारियों से सैकड़ों हजार लोग मरते हैं। 2021 में विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट में पाया गया कि भारत का कोई भी शहर प्रति घन मीटर हवा में 5 माइक्रोग्राम पीएम2.5 के अद्यतन विश्व स्वास्थ्य संगठन सुरक्षा मानकों को पूरा नहीं करता है। भारत के लगभग आधे राज्य इस सीमा को 10 गुना से भी ज्यादा पार कर गए हैं।

तेजी से बढ़ते शहरीकरण और निजी वाहनों की बढ़ती संख्या कण पदार्थ उत्सर्जन में महत्त्वपूर्ण योगदान देती है। सफर इंडेक्स से पता चलता है कि वाहन प्राथमिक प्रदूषक हैं, जो पीएम2.5 उत्सर्जन में लगभग 40 प्रतिशत और नाइट्रोजन ऑक्साइड में 81 प्रतिशत का योगदान करते हैं। पुरानी तकनीक और उचित उत्सर्जन नियंत्रण की कमी के कारण दिल्ली और उसके आसपास के उद्योग जहरीली गैसें छोड़ते हैं। एनजीटी ने सीपीसीबी द्वारा प्रस्तुत क्षमता रिपोर्ट के आधार पर जिगजैग तकनीक वाले ईंट भट्टों सहित सभी ईंट भट्टों को बंद करने का निर्देश दिया है। पंजाब और हरियाणा में फसल अवशेषों को जलाने से दिल्ली की हवा में भारी मात्रा में धुआं और कण निकलते हैं। एनसीआर में चल रही निर्माण परियोजनाओं से अपर्याप्त नियंत्रण उपायों के कारण बड़ी मात्रा में धूल उत्पन्न होती है। राजमार्गों और मेट्रो लाइनों के निर्माण से परियोजना निष्पादन के दौरान पीएम10 के स्तर में वृद्धि हुई है। भारत-गंगा के मैदान में दिल्ली का स्थान और सर्दियों के दौरान कम हवा की गति प्रदूषकों को फंसाती है, जिससे घने धुएँ की परत बनती है।

दिल्ली के वायु प्रदूषण को दूर करने के लिए निवारक उपाय स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देना है जैसे सीएनजी, इलेक्ट्रिक वाहन और हाइड्रोजन जैसे स्वच्छ ईंधन पर स्विच करना वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को काफी हद तक कम कर सकता है। दिल्ली की इलेक्ट्रिक वाहन नीति के तहत, सभी डिलीवरी सेवा प्रदाताओं को 2023 तक अपने बेड़े का 50% और 2025 तक 100% इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलना होगा। किसानों को बायो-डीकंपोजर और नो-बर्न तकनीक अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने से पराली जलाने में कमी आ सकती है। महाराष्ट्र में सगुना चावल तकनीक पराली जलाने को कम करती है। सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को बढ़ाने से निजी वाहनों पर निर्भरता कम हो सकती है, जिससे उत्सर्जन पर अंकुश लग सकता है। दिल्ली मेट्रो चरण क्ष का विस्तार कनेक्टिविटी में सुधार और यातायात से सम्बंधित प्रदूषण को कम करने का लक्ष्य रखता है। पूसा द्वारा विकसित बायोडीकंपोजर का उपयोग पराली प्रबंधन के महत्त्वपूर्ण विकल्पों में से एक है।

निर्माण स्थलों पर पानी का छिड़काव और एंटी-स्मॉग गन जैसे धूल दबाने वाले पदार्थों के इस्तेमाल को अनिवार्य करना। 2021 की सर्दियों के दौरान, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने आपातकालीन उपायों की एक श्रृंखला शुरू की, निर्माण पर प्रतिबंध लगाया, तीव्र धूल नियंत्रण उपायों को लागू किया। हरित स्थानों का विस्तार करना और सड़कों के किनारे पेड़ लगाना प्राकृतिक वायु शोधक के रूप में कार्य कर सकता है। नगर वन योजना एनसीआर उप-क्षेत्रों में हरियाली के लिए एक अवसर है। दिल्ली के वायु प्रदूषण को दूर करने के लिए उपचारात्मक उपाय। महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में स्मॉग टावर लगाने से स्थानीय स्तर पर प्रदूषक स्तर को कम करने में मदद मिल सकती है। कॉनॉट प्लेस के स्मॉग टावर ने प्रदूषण के चरम समय के दौरान वायु गुणवत्ता में स्थानीय सुधार दिखाया है। वास्तविक समय प्रदूषण निगरानी सेंसर जैसे उन्नत निगरानी उपकरण लक्षित हस्तक्षेपों के लिए सटीक डेटा प्रदान कर सकते हैं वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग दिल्ली की वायु गुणवत्ता संकट को दूर करने के लिए अंतर-राज्यीय सहयोग को बढ़ावा देता है।

पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं पर जनता को शिक्षित करना, जैसे कि वाहनों को निष्क्रिय रखना, प्रदूषण के स्तर को काफी हद तक प्रभावित कर सकता है। ‘रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ’ जैसे अभियान उत्सर्जन को कम करने के लिए व्यवहार परिवर्तन को प्रोत्साहित करते हैं। सामान्य वायु प्रदूषण भारत में कोयले को जलाने से जुड़ा है, जिससे इसकी आधी से ज्यादा बिजली पैदा होती है। दिल्ली में, यह लाखों कारों से निकलने वाले उत्सर्जन और निर्माण उद्योग से निकलने वाले धुएँ के साथ मिलकर होता है, जहाँ प्रदूषण नियंत्रण नहीं है। अक्टूबर से जनवरी तक यह संकट और गहरा जाता है, जब ठंड के मौसम के साथ-साथ बड़े पैमाने पर फसल के ठूंठ जलाए जाते हैं। उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा के पड़ोसी राज्यों से धुआँ आता है, क्योंकि हजारों किसान फसल के मौसम के बाद कृषि अपशिष्ट जलाते हैं। हालाँकि, सर्दियों की भारी हवा प्रदूषकों को जमीन के करीब फँसा देती है, जिससे धुआँ और भी खराब हो जाता है।

के.सी.एन. क्लब द्वारा आयोजित नि:शुल्क चिकित्सा शिविर सम्पन्न

पालघर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय सेवाभावी संगठन नोइंग सिटीजन्स नीड़ (के.सी.एन.) क्लब कोंकण मण्डल की ओर से 24 नवम्बर 2024 को पालघर युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष विजय मौर्या के जन्मदिन के मौके पर पालघर जिले के वसई शहर अंतर्गत स्थित शिव समन इंडस्ट्रियल स्टेट के ओम इंटरप्राइजेज हॉल में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। निःशुल्क चिकित्सा शिविर के उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे निर्झरिणी संयोजक भोलानाथ तिवारी मूर्धन्य भरतांचली, युवा मोर्चा राष्ट्रीय महासचिव विक्रम शुक्ला व रामकृष्ण शबद के द्वारा फीता काटकर नारियल तोड़कर शिविर की शुरूआत की गई। कार्यक्रम में विजय मौर्या द्वारा केक काटकर व आरती पूजन के साथ जन्मदिन मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन क्लब पदाधिकारी आनन्द दुबे ने किया तथा कार्यक्रम के अंत में क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदन मिश्र त्यागी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के प्रोजेक्ट इंचार्ज विक्रम शुक्ला तथा कोऑर्डिनेटर हौसला प्रसाद दुबे रहे। इस कार्यक्रम में रूद्र मिश्र, सर्वेश तिवारी, रामशंकर तिवारी, राजेश पाण्डेय, नरेन्द्र बहादुर सिंह, मनोज दुबे, वेदप्रकाश मिश्र, प्रभात तिवारी, रामशंकर तिवारी, राधेश्याम गुरुजी, चंद्रेश कुमार, अंकुश कदम, मनोज डागा, आतिश दुबे, समीर मेडिकल टीम के भीमराव घरत, राजेंद्र संखे, डॉ.मयूर पाटील, रविन्द्र वझे, जयेश पाटील, रश्मि संखे, जान्हवी पाटील, सिद्धेश पाटील व मेडिकल जांच टीम के अलावा अन्य क्लब पदाधिकारी, मीडियाकर्मियों सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रघु वामसी एयरोस्पेस ग्रुप का हैदराबाद में 300 करोड़ का निवेश

मुंबई। एयरोस्पेस, रक्षा, अंतरिक्ष, तेल और गैस तथा चिकित्सा आदि क्षेत्र के उत्पादों के निमार्ता रघु वामसी ग्रुप ने हैदराबाद में एक नई अत्याधुनिक परियोजना की आधारशिला रखी। कंपनी ने अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास अत्याधुनिक सुविधा स्थापित करने के लिए 300 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है। यह नई सुविधा अनुसंधान एवं विकास, संयोजन और विनिर्माण के लिए समर्पित है और सितंबर 2025 तक चालू होने की योजना है। इस अत्याधुनिक सुविधा के लिए आज भूमिपूजन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें तेलंगाना के आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, संचार, उद्योग और वाणिज्य मंत्री श्री डी. श्रीधर बाबू ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की, साथ ही टीएसआईआईसी के वीसी और एमडी डॉ. ई. विष्णु वर्धन रेड्डी और तेलंगाना के एयरोस्पेस और रक्षा निदेशक श्री प्रवीण पीए भी उपस्थित थे।

रघु वामसी ग्रुप के प्रबंध निदेशक वामसी विकास ने कहा, कंपनी का भविष्य आशाजनक है, रघु वामसी ग्रुप ने पिछले पांच वर्षों में 35 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक वृद्धि हासिल की है। कंपनी को अब तक 2000 करोड़ रुपये से ज्यादा के ऑर्डर मिल चुके हैं। इस तीव्र विकास को गति देने के लिए कंपनी ने अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास तेलंगाना सरकार के हार्डवेयर पार्क में आठ एकड़ जमीन खरीदी है। कंपनी 300 करोड़ रुपये का निवेश कर दो लाख वर्ग फुट क्षेत्र में अत्याधुनिक सुविधाएं विकसित कर रही है। उन्होंने आगे बताया कि, वैश्विक बाजार में पकड़ बनाने के लिए रघु वामसी ग्रुप ने अपनी उत्पादन क्षमता में बड़े पैमाने पर वृद्धि की है। इसके लिए कंपनी ने आईटीपी एयरो (स्पेन), रेव गियर्स (यूएसए), अदानी डिफेंस और पार्ट ईस्ट रोबोटिक्स जैसे वैश्विक दिग्गजों के साथ रणनीतिक साझेदारी की है।

ट्रेडबाइनरी ने रक्तदान अभियान का आयोजन किया

मुंबई। टेक्नोलॉजी और कंसल्टिंग के क्षेत्र में अग्रणी कंपनी ट्रेडबाइनरी ने रोटरी क्लब मुंबई के साथ मिलकर ठाणे के पुराणिक कैपिटल परिसर में रक्तदान अभियान आयोजित किया। इस सहयोगात्मक प्रयास का उद्देश्य सामुदायिक सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देते हुए अस्पतालों में रक्त की महत्वपूर्ण आवश्यकता जैसे मुद्दे को संबोधित करना था। इस अभियान में लोगों की भारी भीड़ देखी गई, जिसमें 43 व्यक्तियों ने रक्तदान करने के लिए आगे कदम बढ़ाया। शिविर के दौरान कुल 43 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। ये रक्त कई अस्पतालों में वितरित किया जाएगा, जिससे तत्काल जरूरत वाले रोगियों को जीवन रक्षक सहायता मिलेगी। दान किए गए रक्त तक पहुँच के लिए व्यक्ति कै. वामनराव ओक ब्लड कैंसर से संपर्क कर सकते हैं। ट्रेडबाइनरी के संस्थापक और निदेशक दर्शील शाह ने कहा, ?रक्तदान एक धर्मार्थ कार्य से कहीं बढ़कर है - यह मानवता की देखभाल करने, साझा करने और जहाँ सबसे ज्यादा जरूरत है, वहाँ आशा देने की क्षमता की अभिव्यक्ति है। दान किया गया प्रत्येक यूनिट रक्त एक जीवन रेखा, किसी के लिए एक और दिन लड़ने का मौका और एक वादा है कि जरूरत के समय कोई भी अकेला नहीं खड़ा होगा। इस उद्देश्य का समर्थन करने के लिए एक समुदाय के रूप में एक साथ आकर हम न केवल जीवन बचाते हैं, बल्कि एक ऐसी दुनिया बनाने के लिए अपनी सामूहिक शक्ति, करुणा और जिम्मेदारी को प्रदर्शित करते हैं, जहाँ आशा और उपचार हमेशा पहुँच में हों।

महाराष्ट्र के नतीजे अविश्वसनीय और अस्वीकार्य : चेन्निथला

मुंबई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला ने शनिवार को कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे अविश्वसनीय और अस्वीकार्य हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन की लाडकी बहिन योजना कृषि संबंधी समस्याओं और नागरिकों की अन्य समस्याओं को खत्म करने में कामयाब रही है।कांग्रेस नीत महा विकास आघाडी और सत्तारूढ़ महायुति के बीच कांटे की टक्कर की अधिकतर भविष्यवाणियों के विपरीत, परिणाम आश्चर्यजनक रूप से एकतरफा रहे हैं और भाजपा स्वयं 288 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के करीब पहुंच गई है।पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण और कांग्रेस विधायक दल के नेता ाालासाहेब थोराट जैसे कांग्रेस के दिग्गज नेता क्रमशः कराड दक्षिण और संगमनेर से हार गए, जबकि राज्य इकाई के प्रमुख नाना पटोले साकोली में मामूली अंतर से पीछे चल रहे हैं।चेन्निथला ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव अविश्वसनीय और अस्वीकार्य हैं। क्या लाडकी बहिन योजना के कारण कृषि संबंधी समस्याएं, महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार खत्म हो गए?

महायुति ने पालघर जिले में लहराया परचम, बविआ का किया सूपड़ा साफ

◆भाजपा ने तीन सीटों पर जमाया कब्जा, शिवसेना शिंदे गुट ने दो सीटों पर मारी बाजी

◆महाविकास आघाड़ी को घटक दल माकपा को मिली एक सीट से करना पड़ा संतोष

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले में संपन्न विधानसभा चुनाव 2024 के अप्रत्याशित परिणाम से जहां महायुति के घटक दल भाजपा व शिवसेना की बल्ले बल्ले हो गई, वहीं महाविकास आघाड़ी के घटक दल शिवसेना उद्धव गुट व राष्ट्रवादी कांग्रेस पवार गुट का पालघर जिले से सफाया हो गया तथा घटक दल माकपा ने मामूली अंतर एक सीट पर जीत हासिल कर महाविकास आघाड़ी की लाज बचा ली। वहीं पालघर जिले में कई वर्षों से लगातार बोईसर, नालासोपारा, वसई विधानसभा सीट पर अपना वर्चस्व कायम रखने वाली दबंग पार्टी बहुजन विकास आघाड़ी का तो सूपड़ा साफ हो गया। बतादें कि पिछले 2019 के विधान सभा चुनाव में महायुति के घटक दल भाजपा का सूपड़ा साफ हो था तो अब की बार 2024 के विधानसभा चुनाव परिणाम के साथ उसने तीन सीटों पर कब्जा जमा लिया। वहीं शिवसेना शिंदे गुट ने भी दो सीटों पर बाजी मार ली।

पालघर जिले के 6 विधानसभा क्षेत्र के चुनाव परिणाम के अनुसार

128-डहाणु(अ.ज.) सीट पर महाविकास आघाडी के घटक दल माकपा के विनोद निकोले ने 1,04,702 मत पाकर निकटतम प्रतिद्वंद्वी महायुति के घटक दल भाजपा के विनोद मेढा को मिले 99,569 मत के मुकाबले 5,133 मतों के अंतर से जीत हासिल कर ली।

129- विक्रमगढ (अ.ज.) सीट पर महायुति के घटक दल भाजपा के हरिश्चंद्र भोये ने 1,14514 मत पाकर निकटतम प्रतिद्वंद्वी महाविकास आघाडी के घटक दल राकांपा(शरदचंद्र पवार) के सुनील भुसरा को मिले 73,106 मत के मुकाबले 41,408 मतों के बड़े अंतर से जीत दर्ज करायी। वहीं शिवसेना शिंदे गुट के बागी नेता व निर्दलीय प्रत्याशी प्रकाश निकम तीसरे स्थान पर रहे।

130-पालघर(अ.ज.) सीट पर महायुति घटक दल शिवसेना शिंदे गुट के राजेंद्र गावित ने 1,12,894 मत पाकर निकटत प्रतिद्वंद्वी महाविकास आघाडी के घटक दल शिवसेना उबाठा के जयेंद्र दुबला को मिले 72,557 मत के मुकाबले 40,337 मतों के बड़े अंतर से जीत हासिल की।

131-बोईसर (अ.ज.) सीट पर महायुति के घटक दल शिवसेना शिंदे गुट के विलास सुकुर तरे ने 1,26,117 मत पाकर निकटतम प्रतिद्वंद्वी बविआ के पूर्व विधायक राजेश पाटील को मिले 81,662 मत के मुकाबले 44,455 मतों के बड़े अंतर से शानदार जीत हासिल की। इस सीट पर पर महाविकास आघाडी के घटक दल शिवसेना उबाठा के डा.विश्वास वलवी तीसरे स्थान पर रहे।

132-नालासोपारा सीट पर महायुति के घटक दल भाजपा के राजन नाईक ने 1,65,113 मत पाकर निकटतम प्रतिद्वंद्वी बविआ के पूर्व विधायक क्षितिज ठाकुर को मिले 1,28,238 मत के मुकाबले 36,875 मतों के अंतर जीत हासिल किया।

133-वसई सीट पर महायुति के घटक दल भाजपा की स्नेहा दुबे पंडित ने 77,553 मत पाकर निकटतम प्रतिद्वंद्वी बहुजन विकास आघाडी के पूर्व विधायक हितेंद्र ठाकुर को मिले 74,400 मत के मुकाबले 3,153 मतों के अंतर से जीत दर्ज करायी ।

महाराष्ट्र चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन चौंकाने वाला, अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन: पृथ्वीराज चव्हाण

मुंबई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि उनकी पार्टी की हार चौंकाने वाली है और उन्होंने इसे राज्य विधानसभा चुनावों में अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन करार दिया। चव्हाण ने कहा कि महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए महायुति सरकार की लाडकी बहिन योजना ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाताओं को पसंद आई, जबकि ध्रुवीकरण ने राज्य के शहरी इलाकों में विपक्षी महाविकास आघाडी (एमवीए) की संभावनाओं को प्रभावित किया।कराड दक्षिण सीट से हारने वाले चव्हाण ने कहा, यह कहना मुश्किल है कि कोई लहर थी या धांधली हुई। राज्य की 288-सदस्यीय विधानसभा के लिए 20 नवंबर को हुए चुनावों के नतीजे शनिवार को घोषित किए गए। चव्हाण सहित एमवीए के कई बड़े नेता चुनाव हार गए। एमवीए के हिस्से के रूप में 101 सीट पर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस ने केवल 16 सीट जीतकर अपनी सबसे बुरी हार दर्ज की।

चव्हाण ने कहा कि उन्हें सतारा जिले की कराड दक्षिण सीट पर 5,000 से 6,000 वोट से जीत की उम्मीद थी। लेकिन, उन्होंने कहा कि जिले में एमवीए के सभी उम्मीदवार लगभग 40,000 मतों के अंतर से हार गए। शनिवार को निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित परिणामों के अनुसार, भाजपा के अतुल भोसले ने कराड दक्षिण में पूर्व मुख्यमंत्री चव्हाण को 39,355 मतों के अंतर से हराया।

बोईसर विधानसभा क्षेत्र से शिवसेना शिंदे गुट की हुई शानदार जीत, बविआ का हुआ पत्ता साफ

पालघर(उत्तरशक्ति)। बविआ का गढ़ माने जाने वाली पालघर जिले की बोईसर विधानसभा सीट पर आखिरकार महायुति के घटक दल शिवसेना शिंदे गुट के प्रत्याशी विलास सुकुर तरे ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी बहुजन विकास आघाड़ी के प्रत्याशी राजेश रघुनाथ पाटील को 44,455 मतों के भारी अंतर से पराजित कर दिया।

बतादें कि महायुति के सभी सहयोगी चुनाव प्रचारकों द्वारा निर्वाचन आयोग की ओर से निर्धारित चुनाव प्रचार तिथि के अंतिम सप्ताह में की गई कड़ी मेहनत के साथ जबरजस्त प्रचार - प्रसार की वजह से जीत की ओर बढ़ती हुई बविआ को बुरी तरह से मात खानी पड़ी। बोईसर विधानसभा क्षेत्र से विजयी प्रत्याशी शिवसेना शिंदे गुट के विलास सुकुर तरे को 1,26,117 मत मिले जबकि दूसरे स्थान पर रहे बविआ के प्रत्याशी राजेश रघुनाथ पाटील को 81,662 मतों से ही संतोष करना पड़ा। वहीं तीसरे स्थान पर शिवसेना उद्धव बालासाहब ठाकरे गुट के प्रत्याशी डॉ.विश्वास वलवी को 50,571 मत प्राप्त हुए तथा मनसे प्रत्याशी शैलेश दशरथ भुतकड़े 7049 मतों के साथ चौथे स्थान पर रहे। जबकि निर्दलीय (जिजाऊ विकास पार्टी) प्रत्याशी नरेश प्रकाश धोड़ी 6144 मतों के साथ पांचवे स्थान पर रहे। छठे स्थान पर रहे बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी अजीनाथ बालू भावर को 3029 मत प्राप्त हुए। वहीं 3613 मत नोटा को भी प्राप्त हुए। महायुति के उम्मीदवार विलास सुकुर तरे की शानदार जीत के जश्न के मौके पर शिवसेना शिंदे गुट के साथ ही साथ भाजपाइयों ने खूब पटाखे फोड़े।

इस मौके पर महायुति के विजेता प्रत्याशी विलास सुकुर तरे ने पत्रकारों के साथ बातचीत के दौरान बोईसर विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया तथा क्षेत्र के विकास की गति में धार देने का वादा भी किया।

सना मलिक के विजय जुलूस में जनसैलाब उमड़ा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट विधानसभा चुनाव में अणुशक्ति नगर से राकांपा की उम्मीदवार सना मलिक ने अपने प्रतिद्वंदियों को मात देते हुए राकांपा के इस गढ़ को बचाने में सफल रही। जैसे ही सना मलिक की जीत की घोषणा हुई वैसे ही संपूर्ण अणुशक्ति नगर में बड़ी संख्या में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। जगह जगह नवाब मलिक और सना मलिक जिंदाबाद के नारे लगने शुरू हो गए।

बता दे कि अणुशक्ति नगर विधानसभा से राकांपा उम्मीदवार सना मलिक ने 49341 महत्वपूर्ण वोट हासिल कर अपने प्रतिद्वंद्वियों को बुरी तरह पराजित किया। सना मलिक की जीत की घोषणा होते ही सना मलिक ने अपने समर्थकों के साथ विशाल विजय जुलूस निकालकर संपूर्ण अणुशक्ति नगर के निवासियों का आभार जताया। यह विजय जुलूस संपूर्ण अणुशक्ति नगर विधानसभा के हर गली चौराहों तक पहुंचा। इस दौरान विजय जुलूस में सना के साथ पूर्व नगरसेवक कप्तान मलिक सहित बड़ी संख्या में उनके समर्थक और हजारों की संख्या में लोग शामिल थे। जगह जगह पटाखों और ढोल नगाड़ों से सना मलिक का स्वागत किया गया। इस दौरान अपने विजय जुलूस में शामिल हुई सना मलिक ने हाथ जोड़कर लोगों का आभार जताया।

चांदीवली में दिलीप लांडे की शानदार जीत, नसीम खान हारे

मुंबई (उत्तरशक्ति)। चांदीवली विधानसभा में विधायक दिलीप लांडे ने दूसरी बार कांग्रेस के पूर्व मंत्री नसीम खान को शानदार जीत हासिल की है। सभी की निगाहें मुंबई के सबसे ज्यादा मतदाताओं वाले चांदीवली विधानसभा क्षेत्र के चुनाव पर थीं। कांग्रेस के पूर्व मंत्री नसीम खान और शिव सेना शिंदे गुट के दिलीप लांडे के बीच कांटे की टक्कर थी, लेकिन दिलीप लांडे ने शानदार जीत हासिल की है और कांग्रेस के एक समय के गढ़ को हमेशा के लिए ध्वस्त कर दिया है. लांडे मामा की जीत की घोषणा होते ही शिवसैनिक खुशी से झूम उठे। आखिरी 29वें राउंड की समाप्ति पर शिवसेना के दिलीप लांडे को 124641 वोट मिले, जबकि कांग्रेस के नसीम खान को 104016 वोट मिले. लांडे ने 20625 वोटों से भारी जीत हासिल की। शुरूआत में दो-तीन बार पिछड़ने के बाद अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए शिवसेना महायुति के दिलीप लांडे ने 20625 वोट अधिक पाकर जीत हासिल की है. दिलीप लांडे के नाम की घोषणा होते ही लांडे काजूपाड़ा स्थित गणपति मंदिर पहुंचे और भगवान गणपति के दर्शन किये. इसके बाद मतगणना केंद्र पर जाकर जीत का प्रमाण पत्र स्वीकार किया। दिलीप लांडे की जीत का जश्न हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, ढोल ताशा, गुलाल के बीच जुलूस निकाला गया. जीत का जश्न मनाने के लिए शिव सेना महायुति के हजारों कार्यकर्ता इकट्ठा हुए थे. चांदीवली में पटाखे फोड़कर, नारे लगाकर और मिठाइयां बांटकर जीत का जश्न मनाया गया.।

मूरजी पटेल का सपना हुआ सच अंधेरी पूर्व से हुए विजई

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अंधेरी पूर्व विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे शिवसेना के उम्मीदवार मुरजी पटेल का सपना साकार हो गया है है और उन्होंने भारी मतों के अंतर से जीत हासिल की है। अंधेरी पूर्व में शिवसेना शिंदे गुट के मुरजी पटेल और शिव सेना ठाकरे ग्रुप की रितुजा लटके के बीच कड़ी टक्कर होने की उम्मीद थी, लेकिन पटेल ने अपनी बढ़त बरकरार रखी और 25486 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। आखिरी राउंड में महायुति के मुरजी पटेल को कुल 94,010 वोट मिले, जबकि महाविकास अघाड़ी की ऋतुजा लटके को 68,525 वोट मिले. इसमें मुरजी पटेल ने 25486 वोटों से जीत हासिल की है. पटेल की जीत की खबर मिलते ही इलाके में हर तरफ खुशी का माहौल हो गया।

बता दे कि कई सालों से विधायक बनने का सपना पाले बैठे मुरजी पटेल ने बीजेपी से शिवसेना में आकर विधानसभा चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। मूरजी पटेल की हुई धमाकेदार जीत पर अंधेरी पूर्व की जनता ने हर्षोल्लास के साथ पटेल का स्वागत किया है।

धर्म प्रचार और समाज प्रबोधन का केंद्र बनें मंदिरः मिलिंद परांडे

मुंबई। हमारे मंदिर पहले की तरह समजाभिमुख बनकर शिक्षा, चिकित्सा, सेवा, आस्था, प्रेरणा, शक्ति, धर्म प्रचार और समाज प्रबोधन का केंद्र बने, यह आज की आवश्यकता है। यह वक्तव्य मिलिंद परांडे ने 'मंदिर राष्ट्र के ऊर्जा केंद्र' ग्रंथ के विमोचन कार्यक्रम के दौरान प्रमुख वक्ता के तौर पर दिया। उन्होंने आगे कहा कि यदि समाज बंट गया या सो गया तो मंदिर पुनः ध्वस्त हो जाएंगे, इसलिए हमें ऐसे सशक्त संगठित जागरूक समाज का निर्माण करना होगा कि भविष्य में भी कोई मंदिरों को तोड़ने का साहस न कर पाए। हिंदुत्व के जागरण और विमर्श के केंद्र में लाने में मंदिर खासकर रामजन्मभूमि आंदोलन की प्रमुख भूमिका रही है। मंदिर के विविध पहलुओं को मंदिर ग्रंथ में रेखांकित किया गया है। अतः निश्चित रूप से मंदिर ग्रंथ मार्गदर्शक सिद्ध होगा, ऐसा मझे पूर्ण विश्वास है।

हिंदी विवेक के इस सराहनीय कार्य के लिए मैं उनका अभिनंदन करता हूं। आज देश का कोई भी चर्च या मस्जिद सरकारी नियंत्रण में नहीं है किंतु मंदिरों को सरकारी नियंत्रण में रखा गया है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी सरकार से कहा है कि मंदिरों को नियंत्रित कर उसकी व्यवस्था संभालना सरकार का काम नहीं है। बावजूद इसके मंदिरों को सरकारी नियंत्रण में रख कर मंदिरों की संपत्ति का सरकार दुरुपयोग कर रही है। इसलिए मंदिरों को मुक्त करना हमारा कर्तव्य है। मंदिर की अर्थव्यवस्था, व्यवस्थापन, कार्यप्रणाली, पारदर्शिता, समाज की सहभागिता और मंदिर के सम्बंध में हमारी दृष्टि कैसी होनी चाहिए, ऐसे विविध विषयों से इस ग्रंथ में अवगत कराया गया है। मुंबई के दादर पूर्व स्थित स्वामी नारायण मंदिर के सभागृह में हिंदी विवेक पत्रिका द्वारा प्रकाशित ह्यमंदिरः राष्ट्र के ऊर्जा केंद्रह्न ग्रंथ का विमोचन समारोह हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। इसी के साथ विहिप के दिनदर्शिका का भी विमोचन किया गया। मंच पर विराजमान विहिप के केंद्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे जी, मंदिर स्थापत्य व मूर्ति विशेषज्ञ डॉ. गो. ब. देगलूरकर, झा कंस्ट्रक्शन प्रा. लि. के चेयरमैन व एमडी रामसुंदर झा एवं उनकी धर्म पत्नी मनोरमा झा, विहिप कोंकण प्रांत मंत्री मोहन सालेकर, हिंदुस्थान प्रकाशन संस्था के अध्यक्ष पद्मश्री रमेश पतंगे, हिंदी विवेक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमोल पेडणेकर एवं हिंदी विवेक की कार्यकारी सम्पादक श्रीमती पल्लवी अनवेकर के करकमलों द्वारा ग्रंथ एवं दिनदर्शिका का विमोचन किया गया। भारत माता की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं कवि रजनीकांत द्वारा सुंदर कविता का प्रस्तुतिकरण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इसके बाद मंच पर उपस्थित सभी मान्यवरों का परिचय व स्वागत सम्मान किया गया। हिंदी विवेक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमोल पेडणेकर ने अपनी प्रस्तावना में हिंदी विवेक पत्रिका के १५ वर्षों की उल्लेखनीय सफल यात्रा पर संक्षेप में प्रकाश डाला और विशेष तौर पर इस बात पर जोर दिया कि हमने मंदिरों के महत्व को भुला दिया इसलिए हमें गुलाम होना पड़ा। मंदिर राष्ट्र व समाज जागरण के प्रमुख केंद्र रहे है इसलिए हमारी मंदिर की परंपरा को शुरू करने से ही भारत विश्वगुरु की भूमिका में आएगा। लोकरंजन के साथ लोकमंगल करने के उद्देश्य से हिंदी विवेक पत्रिका द्वारा 'मंदिरः राष्ट्र के ऊर्जा केंद्र' ग्रंथ को प्रकाशित किया गया है। इस ग्रंथ को सफल बनाने में हमारे समाज के गणमान्य जनों का अपेक्षित सहयोग मिला है, जिसके लिए हम सदैव उनके आभारी रहेंगे। मंदिर ग्रंथ का विमोचन कार्यक्रम देश के चार स्थानों पर करने की हमने योजना बनाई है। पहला कार्यक्रम आज हो रहा है। दूसरा कार्यक्रम 29 नवम्बर को मध्य प्रदेश के इंदौर में मा. भैया जी जोशी की उपस्थिति में होने जा रहा है। तीसरा कार्यक्रम मुम्बई के प्रसिद्ध संस्था भागवत परिवार द्वारा मुम्बई में ही किया जाएगा और चौथा कार्यक्रम दक्षिण भारत में होगा। इसके साथ ही परिसंवाद के कार्यक्रम भी होंगे जिसमें मंदिर के विविध विषयों पर चर्चा की जाएगी।

इसके बाद हिंदुस्थान प्रकाशन संस्था के अध्यक्ष पद्मश्री रमेश पतंगे ने अपने भाषण में कहा कि जब समाज खड़ा हो गया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति**, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

मनबड़ों की पिटाई से घायल युवक की मौत के बाद परिजनों ने किया हंगामा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले में नेवढ़िया थाना क्षेत्र के मढ़ी गांव में दीपावली की रात हुई एक घटना ने तनाव बढ़ा दिया। अनुसूचित जाति के युवक सूरज गौतम की पिटाई से हुई मौत के बाद स्वजनों ने थाने के बाहर जमकर प्रदर्शन किया। क्या है मामला? 31 अक्टूबर की रात करीब 9 बजे, मढ़ी गांव निवासी सूरज गौतम दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। रास्ते में गांव की पुलिया पर पहले से मौजूद चार युवकों प्रद्युम्न यादव, आशीष यादव, अजय यादव (पुत्र सुभाष यादव) और अजय यादव (पुत्र चंद्रप्रकाश) ने उन्हें रोक लिया। सूरज पर जातिसूचक गालियां देने के बाद, बिना किसी वजह के लाठी-डंडों से उस पर हमला कर दिया। हमले में सूरज गंभीर रूप से घायल हो जाने से मौके पर ही बेहोश हो गया। इलाज के दौरान मौत घटना की सूचना पाकर परिजनों ने सूरज को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। उनकी हालत गंभीर होने पर उन्हें वाराणसी के बीएचयू ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। लेकिन शुक्रवार शाम को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। स्वजनों का गुस्सा और थाने में प्रदर्शन मौत की खबर मिलते ही सूरज के परिजन आक्रोशित हो गए और शव लेकर थाने पहुंच गए। उन्होंने थाने के बाहर प्रदर्शन करते हुए मामले में तत्काल कार्रवाई और आर्थिक सहायता की मांग की। प्रदर्शनकारियों की जिद थी कि कोई जिम्मेदार अधिकारी उनसे आकर बात करे। पुलिस की कार्रवाई मृतक सूरज की मां जावित्री देवी की तहरीर पर पुलिस ने एससी-एसटी एक्ट और अन्य गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया। तीन आरोपियों—प्रद्युम्न यादव, आशीष यादव और अजय यादव (पुत्र सुभाष यादव) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है, जबकि चौथा आरोपी अजय यादव (पुत्र चंद्रप्रकाश) अभी फरार है। शव का अंतिम संस्कार घटना स्थल पर पुलिस बल और पीएसी तैनात कर दी गई। लगभग एक घंटे तक प्रदर्शन के बाद सीओ मड़ियाहूं संजय वर्मा के आश्वासन पर परिजन शांत हुए और शव को अंतिम संस्कार के लिए वाराणसी ले गए। थानाध्यक्ष नेवढ़िया अमित पांडे ने बताया कि मामले में सख्त कार्रवाई जारी है और फरार आरोपी की तलाश के लिए छापेमारी की जा रही है।

निरंकारी सामूहिक विवाह में दिखा अध्यात्म का अनुपम दृश्य

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। संत निरंकारी मंडल के स्थानीय मीडिया सहायक उदय नारायण जायसवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि समाज कल्याण विभाग की ओर से संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल समालखा में निरंकारी सामूहिक सादा शादियों का एक ऐसा अनुपम दृश्य प्रदर्शित हुआ। जिसमें भारतवर्ष के विभिन्न राज्यों जैसे बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, जम्मू एवं कश्मीर, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान,

जौनपुर से शामिल हुए चार नवयुगल जोड़े

उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल के अतिरिक्त दूर देशों जिनमें आस्ट्रेलिया, यू.एस.ए. इत्यादि प्रमुख है से शामिल हुए??। इसी क्रम में जनपद जौनपुर के ब्रांच त्रिलोचन, मुंगराबादशाहपुर और ब्रांच चवरी से 4 नव युगल जोड़े सामूहिक विवाह में शामिल हुए। लगभग 96 नव युगल सत्गुरु माता जी एवं आदरणीय निरंकारी राजपिता जी की पावन हजूरी में परिणय सूत्र में बंधे तथा अपने मंगलमयी जीवन की कामना हेतु पावन आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर निरंकारी मिशन के अधिकारीगण, वर-वधू के माता-पिता, सगे-सम्बन्धी एवं मिशन के अनेक श्रद्धालु भक्तों की उपस्थिति रहीं। सभी ने इस दिव्य नजारे का भरपूर आनंद प्राप्त किया। संत निरंकारी मंडल के सचिव आदरणीय जोगिंदर सुखीजा ने जानकारी देते हुए आगे बताया कि सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आरम्भ पारम्परिक जयमाला

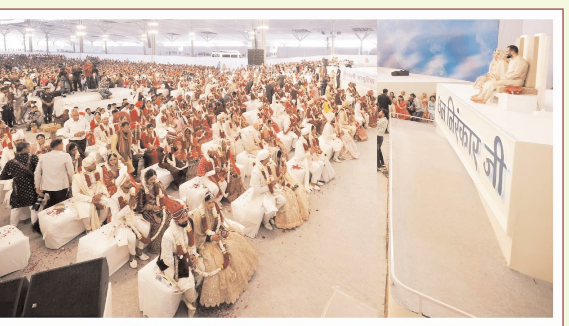

एवं निरंकारी शादी के विशेष चिन्ह सांझा-हार द्वारा हुआ। उसके उपरांत भक्तिमय संगीत के साथ मुख्य आकर्षण के रूप में निरंकारी लावों का हिंदी भाषा में प्रथम बार गायन हुआ जिसकी प्रत्येक पंक्ति में नव विवाहित युगलों के सुखमयी गृहस्थ जीवन हेतु अनेक कल्याणकारी शिक्षाएं प्रदत्त थी। नव विवाहित युगलों पर सत्गुरु माता जी, निरंकारी राजपिता जी एवं वहां उपस्थित सभी जनों द्वारा पुष्प-वर्षा की गई और उनके कल्याणमयी जीवन हेतु भरपूर आशीर्वाद प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला यह पावन आयोजन अपनी सादगी बिखेरता हुआ जाति, धर्म, वर्ण, भाषा जैसी संकीर्ण विभिन्नताओं से ऊपर उठकर एकत्व का सुंदर स्वरूप प्रदर्शित करता है। नव विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए सतगुरु माता जी ने फरमाया कि गृहस्थ जीवन के पवित्र बंधन में नर और नारी दोनों का ही समान स्थान होता है जिसमें कोई बड़ा अथवा छोटा नहीं अपितु दोनों की महत्ता बराबर की होती है। यह एक अच्छी सांझेदारी का उदाहरण है। सतगुरु माता जी ने सांझे हार के प्रतीक का उदाहरण दिया कि जिस प्रकार सांझा हार एकता के भाव को दर्शाता है ठीक उसी प्रकार गृहस्थ जीवन में रहकर सभी रिश्तों को महत्व देते हुए, सबके प्रति आदर भाव अपनाकर अपनी जिम्मेदारियों को निभाना है। गृहस्थ जीवन के सभी कार्यों को करते हुए नित्य सेवा, सुमिरण एवं सत्संग के साथ इस निरंकार का आसरा लेकर सुखद जीवन जीना है। निःसंदेह हर प्रांत से आये हुए नव युगलों द्वारा दो परिवारों के मिलन का एक सुंदर स्वरूप आज यहां प्रदर्शित हुआ। अंत में सतगुरु माता जी ने सभी नव विवाहित जोड़ों के जीवन हेतु शुभ कामना करते हुए उन्हें आनंदमयी जीवन का आशीर्वाद दिया।

मछलीशहर पुलिस ने नाबालिग लड़की की हत्या मामले में एक महिला समेत चार को किया गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मछलीशहर पुलिस ने नाबालिग लड़की की

हत्या करने वाले वांछित 3 अभियुक्त व 1 अभियुक्ता को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल किया। सीओ मछलीशहर ने बताया कि तालाब में जो नाबालिक लड़की का शव मिला था उसको उसी के आशिक ने अपनी भाभी के फोन के जरिए बुलाया था उसके बाद उसके साथ रेप करने के बाद उक्त लोगों ने उसको मार कर तालाब में फेंक दिया था यह बातें पुलिस की जांच में सामने आई है। प्रभारी निरीक्षक सत्य प्रकाश सिंह व उ0नि0 शिवकुमार सिंह उ0नि0 अखिलेश कुमार यादव मय हमराही कर्मचारीगण के द्वारा दिनांक 23.11.24 को मु0अ0सं0 378/24 धारा 137(2)/103(1)/238/61 (2)/64 बी0एन0एस0 व 3/4 पाक्सो एक्ट व 3(2)5 एससी एसटी एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्तगण 1.मन्नान पुत्र अब्दुल मजीद 2.मोहम्मद फिरदोस पुत्र शमीम 3.रूखसार पत्नी इन्तजार शेख 4.अपचारी रेहान पुत्र सादिक खान नि0गण मुस्तफाबाद थाना मछलीशहर जौनपुर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

कार और ऑटो की मामूली टक्कर में पुलिस वाले की हुई पिटाई

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के बड़ागांव थाना के हरहुआ तिराहे पर शनिवार को कार की टक्कर से आटो चालक घायल हो गया। घटना से आक्रोशित लोगों ने सादे वेश में कार चला रहा राजातालाब एसओ के साथ मारपीट की। उन्हें घायल कर दिया। एसओ के साथ मारपीट की घटना की जानकारी होते ही मौके पर कई थानों की पुलिस पहुंच गई। पुलिस अधिकारियों ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए घायल आटो चालक को अस्पताल भेजवाया। राजातालाब एसओ अजीत कुमार वर्मा सादे वेश में परिवार को लेकर कार से बाबतपुर से वाराणसी की तरफ जा रहे थे। हरहुआ तिराहे पर पहुंचने पर बड़ागांव थाना क्षेत्र के भटौली गांव निवासी देवीशंकर राय (55 वर्ष) अचानक आटो लेकर बाबतपुर की तरफ मुड़ने लगा। उसी दौरान कार से आटो में पीछे टक्कर लग गई। इससे आटो चालक घायल हो गया। एसओ घायल आटो चालक को अस्पताल भेजवाने के लिए अपनी कार से उतरे। इसी बीच घटनास्थल पर मौजूद भीड़ ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। उन्होंने अपना परिचय भी दिया लेकिन लोगों ने एक न सुनी और मारपीटकर उन्हें घायल कर दिया। मामले में पुलिस ने 9 लोगों पर केस दर्ज किया है। वहीं घायल आटो चालक के भतीजे की तहरीर पर अज्ञात इंस्पेक्टर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

वसूली कर वापस लौट रहे व्यापारी को घायल कर बदमाशों ने लूटे डिग्गी में रखे रुपए

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बरसठी मीरगंज थाना क्षेत्र में करियांव मीरगंज बाजार के रहने वाले गल्ला व्यापारी दीपक उर्फ भोलू शनिवार रात करीब सवा आठ बजे बदमाशों के हमले का शिकार हो गया बदमाशों ने व्यापारी पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया और उसके पास से चार लाख रुपये लूट लिए। मिली जानकारी के अनुसार, थोक व फुटकर परचून संचालक दीपक उर्फ भोलू निगोह कटवार की तरफ से व्यापारिक लेन-देन कर लौट रहा था कि गोपालपुर के पास अंधेरे में घात लगाए बैठे बदमाशों ने उसे रोक लिया। हमलावरों ने सरिया और डंडों से उस पर बेरहमी से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इस दौरान बदमाशों ने मोटरसाइकिल की डिग्गी में रखे चार लाख रुपये लूट लिए और फरार हो गए। गंभीर हालत में दीपक सड़क किनारे ही पड़ा रहा। सूचना पर पहुची पुलिस व परीजन उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे वाराणसी लेकर चले गए जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

पीड़ित के परिजनों ने बताया कि एक होंडा साइन व डिग्गी में रखा रुपया लेकर बदमाश भाग निकले, घटना को लेकर स्थानीय लोगों में भय और आक्रोश है। इस मामले में मीरगंज थानाध्यक्ष रमेश कुमार ने बताया कि घटना बरसठी थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है जल्द ही आरोपी सलाखों के पीछे होंगे।

प्रतिबंधित चाइनीज मांझा से युवक घायल, नहीं रुक रही है चाइनीज मांझे की बिक्री

इम्तियाज अहमद

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जहां एक तरफ भारतीय उद्योग व्यापार मंडल घातक एवं जानलेवा चाइनीज मांझा की बिक्री को पूरे जौनपुर जिले में प्रतिबंधित करने के लिए लगातार अभियान चला रहा है वहीं दूसरी तरफ इसकी बिक्री धड़ल्ले से हो रही है जिसका नतीजा यह रहा कि आज 24 नवम्बर 2024 को रमेश मौर्य की गर्दन प्रतिबंधित चाइनीज मांझा से बुरी तरह कट गई। बताते चलें कि रविवार की सुबह रमेश मौर्य जो की पीली कोठी बाबूपुर के निवासी हैं जो किराने की दुकान चलाते हैं वह दुकान का सामान लेने के लिए सब्जी मंडी शहर की ओर जा रहे थे जब वह नए पुल पर पहुंचे ही थे कि चाइनीज मांझा जाकर उनकी गर्दन में फंस गया जब तक वह हाथ लगाते और समझ पाते तब तक उनकी गर्दन बुरी तरह कट गई, जिस तरीके से खून बह रहा था वह देखकर घबरा गए उन्होंने किसी राहगीर की

मदद से घर वालों को सूचना दी, आसपास के लोगों ने बदलापुर पड़ाव स्थित एक निजी अस्पताल में उन्हें भर्ती कराया। घाव को देखते हुए वहां पर उपस्थित चिकित्सकों ने लगभग 15 टांके लगाए। घटना की जानकारी होने पर भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष विवेक सिंह तुरंत अपने पदाधिकारीयों के साथ अस्पताल पहुंच कर घायल व्यवसायी रमेश मौर्य का हाल-चाल जाना। लगातार चाइनीज मंझे से हो रही घटना पर उन्होंने जिला प्रशासन के ऊपर नाराजगी व्यक्त की, कहां की अभी कुछ दिन पूर्व ही इस गंभीर विषय को लेकर नगर मजिस्ट्रेट से मिलकर पत्रक सौंपते हुए कार्रवाई के लिए कहां गया था लेकिन अभी तक कोई भी कार्रवाई नहीं हुई। जबकि लगभग दो माह पूर्व भी इसी तरह की घटना निर्भय चंद के साथ सद्भावना पुल पर घटी थी उनकी भी गर्दन कटी और पांच टांके लगे उस समय भी जिला प्रशासन से मिलकर अवगत कराया गया था उस घटना को लेकर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

यह चाइनीज मांझा पूरे देश में प्रतिबंधित है लेकिन अभी भी कुछ मौत के सौदागर जौनपुर में पैसे के लालच में इसको बेच रहे हैं! आगे मकर संक्रांति का त्यौहार है जिसमें ज्यादातर लोग पतंग उड़ाते हैं इसी क्रम में भारतीय उद्योग व्यापार मंडल जिला प्रशासन से मांग करता है जल्द ही आम जनमानस के हितों को दृष्टिगत रखते बेचने वाले और साथ ही साथ उड़ाने वालों पर भी ठोस एवं बड़ी कार्रवाई करें अन्यथा इससे भी बड़ी घटना घट सकती है। अस्पताल पहुंचाने वालों में भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिला संयोजक शशांक सिंह रानू, नगर अध्यक्ष सर्वेश जायसवाल, संगठन मंत्री अजीत सोनकर,कौशल त्रिपाठी मो. दानिश, प्रमोद मौर्या प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मुंगराबादशाहपुर पुलिस टीम ने मुकदमे में वांछित दो अभियुक्ततों को किया गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। प्रेस नोट के मुताबिक उ0नि0 अरविन्द कुमार यादव मय हमराह के थाना हाजा से रवाना होकर मु0अ0स0 390/24 धारा 109(1), 324(4), 125,3(5) बीएनएस व 11 पशु क्रूरता अधि0 व 3/25 आर्म्स एक्ट थाना मुंगराबादशाहुर जनपद जौनपुर में वांछित अभियुक्तगणो की तलाश में क्षेत्र में मामूर थे कि तकनीकी माध्यमों से प्राप्त सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में अभियुक्तगण 1.संतोष यादव पुत्र राजकुमार यादव 2. मनोज यादव पुत्र राजकुमार यादव निवासीगण ग्राम गौरा माफी थाना आसपुर

देवसरा जनपद प्रतापगढ़ का नाम प्रकाश में आया। जरिए मुखबीर खास की सूचना मिली कि प्रकाश में आये उपरोक्त अभियुक्तगण को रामनगर मोड़ पर खड़े है कही जाने की फिराक में यदि जल्दी किया जाये तो पकड़े जा सकते हैं। इस सूचना पर विश्वास कर उ0नि0 अरविन्द यादव मय हमराह तत्काल रामनगर मोड़ पर पहुंचकर तो देखे कि दो व्यक्ति आपस मे बातचीत कर रहे है तत्पश्चात उ0नि0 अरविन्द यादव मय हमराह द्वारा उपरोक्त दोनो व्यक्तियो को आज दिनांक 24.11.2024 को गिरफ्तार कर थाना हाजा नियमानुसार विधिक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय भेजा है।

महाराष्ट्र में हुआ गिरफ्तार निलंबित इंस्पेक्टर का दोस्त, खुद को बताता था सीएम का ओएसडी

वाराणसी में 41 लाख की लूट मामला

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। सारनाथ थाना में 41 लाख रुपये की लूट के मामले में छीतमपुर निवासी धर्मेंद्र कुमार चौबे उर्फ पिंटू को कैंट थाने की पुलिस ने महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया है। धर्मेंद्र को पुलिस टीम वाराणसी लेकर आ रही है। उससे पूछताछ करने के बाद उसे अदालत में पेश किया जाएगा। वाराणसी के सारनाथ थाना क्षेत्र के पहड़िया

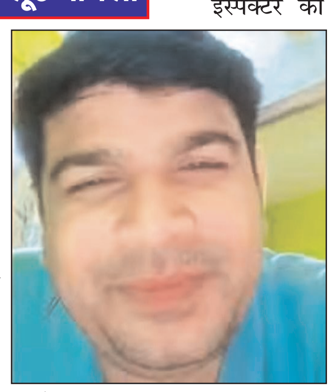

स्थित रुद्रा हाइट्स अपार्टमेंट के एक फ्लैट में बीते 7 नवंबर की आधी रात बाद एक इंस्पेक्टर अपने एक दोस्त के साथ गया था।

इंस्पेक्टर का दोस्त खुद को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ओएसडी बता रहा था। आरोप है कि फ्लैट में जुआ खेल रहे शहर के कुछ व्यापारियों को तगड़ी कानूनी कार्रवाई का भय दिखाकर इंस्पेक्टर और उसका दोस्त मौके से मिले 41 लाख रुपये दो बैग में भर कर अपने साथ ले गए थे। इंस्पेक्टर और उसके दोस्त का सीसी फुटेज सामने आया तो पुलिस आयुक्त ने तत्कालीन सारनाथ थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर परम हंस गुप्ता की भूमिका को प्रथमदृष्टया संदिग्ध पाते हुए उसे निलंबित कर दिया था।

हाईवे पर दौड़ रही लग्जरी कार बनी आग का गोला

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शनिवार देर रात जिले के सरोखनपुर गांव स्थित फोरलेन हाइवे पर उस समय हड़कंप मच गया, जब एक लग्जरी कार अचानक आग का गोला बन गई। मौके पर मौजूद लोगों ने घटना की जानकारी तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी। फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह से जलकर खाक हो चुकी थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वाराणसी जनपद के चौबेपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कमौली गांव निवासी शांतनु सिंह अपने एक मित्र के साथ किसी काम से वाराणसी से लखनऊ जा रहे थे। जब उनकी कार सरोखनपुर गांव के पास पहुंची, तो अचानक उसमें आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि, तब तक कार पूरी तरह जल चुकी थी।

सड़क दुर्घटना में घायल साइकिल सवार की इलाज के दौरान मौत

चंदवक,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आजमगढ़ वाराणसी मार्ग पर रामदेव पुर रेलवे क्रासिंग के समीप ऑटोरिक्शा के टक्कर से साइकिल सवार घायल युवक की उपचार के दौरान ट्रामा सेंटर में मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की। हरिहरपुर बढ़यापार गांव निवासी लालजी राम का पुत्र संजय जो राजमिस्त्री का कार्य करता है। शुक्रवार शाम को साइकिल से चंदवक से घर जा रहा था।रामदेव पुर रेलवे क्रासिंग के पास तेज रफ्तार ऑटोरिक्शा ने टक्कर मार दिया था जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया।परिजन निजी चिकित्सालय ले गए जहां हालत गंभीर देख डॉक्टर ने ट्रामा सेंटर हौज रेफर कर दिया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। रविवार को परिजन घटना के संबंध में पुलिस को तहरीर भी दिए हैं टिम्पो चालक के खिलाफ पुलिस आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

स्कूटी से लौट रही छात्रा का चालान करना पुलिस को पड़ा भारी, परिजनों और दरोगा में हुई जमकर झड़प

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र के सरैयां मोड पर शनिवार की शाम थाने के एक दरोगा ने स्कूटी से अपनी मां को बैठाकर घर जा रही छात्रा को रोक दिया। और चालान करने के लिए कहने लगे। जिस पर छात्रा ने अपने परिजनों को सूचना दे दिया। परिजन मौके पर आ गए। और जमकर दोनो पक्षों में झड़प हो गई। शनिवार की देर शाम जफराबाद थाने के दरोगा संजय कुमार सरैयां मोड पर मौजूद थे। उसी समय थाना क्षेत्र के पौना गांव निवासी छात्रा रिया यादव अपनी मां को बैठाकर जौनपुर शहर से वापस घर लौट रही थी। दरोगा संजय कुमार ने छात्रा के स्कूटी को रोक दिया और चालान करने की बात करने लगे। छात्रा ने इसकी सूचना अपने परिजनों को दी। जिस पर छात्रा के परिजन प्रेम यादव और विनोद यादव मौके पर आ गए। परिजनों ने दरोगा से आग्रह किया कि उसके घर शादी पड़ी हुई है। और यह हर रोज आने जाने वाली छात्रा है। उसका चालान न करे। इस दौरान परिजनों और दरोगा में जमकर झड़प हो गई। परिजनों ने मामले की दूर भाष पर सूचना उच्च अधिकारियों को दिया।

कार से खींचकर पत्नी-बच्चों के सामने पति की पिटाई, बोले मत मारो, मैं एसओ हूं

एसओ ने ऑटो में मारी थी टक्कर, इंस्पेक्टर ने पत्नी-बच्चों के सामने छोड़ने की लगाई गुहार, लेकिन भीड़ ने एक न सुनी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। राजातालाब थानाध्यक्ष अजीत वर्मा शनिवार शाम को सादी वर्दी में परिवार संग एक रिश्तेदार के यहां जा रहे थे। तेज रफ्तार कार ऑटो से टकराई। ऑटो चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर भीड़ इकट्ठा हो गई।भीड़ ने दौड़कर कार को घेरा और एसओ साहब को गाड़ी से बाहर खींच पीटने लगे दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। एसओ बोलते रहे मैं एसओ हूं, लेकिन लोग सुनने को तैयार नहीं थे। उग्र भीड़ जमकर थप्पड़ और लात घूसे बरसाती रही। जिसको जो मिला उसी से एसओ को पीटने लगा। कुछ देर बाद पुलिस मौके पर पहुंची हालांकि पुलिस के सामने भी भीड़ ने एसओ पीटा, पुलिस के बहुत समझाने के बाद लोगों ने छोड़ा। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे खिलाफ शिकायत दी है।

मुंगराबादशाहपुर पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल के साथ शातिर चोर को दौड़ाकर पकड़ा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस प्रेस नोट के मुताबिक उ0नि0 सुरेन्द्र प्रताप तिवारी मय हमराह के

थाना हाजा से रवाना होकर मु0अ0सं0 391/24 धारा 303(2)/ 317(2) बी0एन0एस0 थाना मुंगराबादशाहपुर जौनपुर में वांछित अभियुक्त की तलाश में क्षेत्र में मामूर थे कि जरिए मुखबिर खास की सूचना मिली कि आपके मुकदमे से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त मय चोरी की गाड़ी के साथ जंघई रोड से मुंगराबादशाहपुर की तरफ आ रहा है यदि जल्दी किया जाये तो पकड़ा जा सकता है। इस बात पर विश्वास उ0नि0 सुरेन्द्र प्रताप तिवारी मय हमराह तत्काल जंघई रोड पर पहुंचकर वाहनो की चेकिंग करने लगे तो देखे कि एक व्यक्ति मोटरसाइकिल से तेजी के साथ आ रहा था, रोकने का प्रयास किया गया तो उक्त मो0सा0 का चालक भागने का प्रयास करने लगा तो उ0नि0 सुरेन्द्र प्रताप तिवारी मय हमराह द्वारा अभियुक्त राजकुमार पुत्र छेदीलाल ग्राम कमासिन थाना मीरगंज जौनपुर मय चोरी की मोटरसाइकिल के साथ आज दिनांक 24.11.2024 को गिरफ्तार कर थाना हाजा नियमानुसार विधिक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय भेज दिया।

ट्रेलर से कुचलकर युवक की मौत, परिजनों में मातम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र में बीती रात प्रयागराज मार्ग पर बीती देर रात अपनी कार का गेट खोल रहे युवक को ट्रेलर ने कुचल दिया। जिससे युवक की मौत हो गई। मुंगराबादशाहपुर के गल्ला मंडी साहबगंज निवासी 28 वर्षीय आदित्य जायसवाल पुत्र अखिलेश जायसवाल बीती रात करीब सवा ग्यारह बजे अपने कार से कस्बा स्थित प्रयागराज मार्ग पर चैक के पास बाए पटरी पर अपनी कार खड़ी करके मार्ग के दाहिने ओर चाउमीन खरीदने चला गया। चाउमीन लेने के बाद वह अपनी कार के पास आया और कार का अगला दरवाजा जैसे ही खोला पीछे से आ रही प्रयागराज जा रही ट्रेलर ने बुरी तरह से कुचल दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों की मदद से एंबुलेंस द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मुंगराबादशाहपुर में ले जाया गया। गंभीर हालत देखकर परिजन अविलंब आदित्य को प्रयागराज ले जाने लगे प्रयागराज ले जा रहे थे कि रास्ते में ही इसकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। यह भाइयों में दूसरे नंबर का था और कूरियर का काम करता था। इसकी शादी नहीं हुई थी। ट्रेलर मौके से फरार होने में कामयाब रहा। पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। परिजनों द्वारा पोस्टमार्टम न कराने को जिद करने पर पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया।

17 साल सजा काटने के बाद हत्यारोपियों की उम्रकैद रद्द, हाईकोर्ट ने कहा- बिना साक्ष्य दी गई सजा

प्रयागराज(उत्तरशक्ति)। हाईकोर्ट ने हत्या और अपहरण के आरोप को लेकर 17 साल से सजा काट रहे दो आरोपियों अनिल तथा संजू की उम्रकैद की सजा रद्द कर दी और उनकी तत्काल रिहाई का निर्देश दिया। यह निर्णय न्यायमूर्ति सिद्धार्थ एवं न्यायमूर्ति सुभाष चंद्र शर्मा की खंडपीठ ने सजा के खिलाफ दाखिल दोनों आरोपियों की अपील को स्वीकार करते हुए दिया।अपीलार्थियों के अधिवक्ता अश्वनी कुमार ओझा का कहना था कि मृतक शाकिर की बीवी शहनाज ने गाजियाबाद के लोनी थाने में घटना के दो दिन बाद एफआईआर दर्ज कराकर आरोप लगाया कि आरोपियों सहित पांच छह लोग पैसे के लेन-देन को लेकर 25 जुलाई 2007 को उसके घर आए और उसके शौहर को साथ ले गए।ब ाद में हिंडन के पास उसके शौहर की 18 टुकड़ों में लाश बरामद हुई। कोई चाकू बरामद नहीं हुआ।घटना का कोई चश्मदीद गवाह नहीं था। कोई साक्ष्य भी नहीं है। ट्रायल कोर्ट ने परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर अपीलार्थियों को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। एडवोकेट ओझा का कहना था कि कई गवाहों के बयान विरोधाभासी हैं और परिस्थितिजन्य साक्ष्य में कोई तारतम्यता नहीं है। बयान आया कि पूजा कालोनी में 11 लाशें थीं। जिसमें शाकिर की टुकड़ों में लाश बरामद की गई। फोटोग्राफी की गई। लेकिन कोई फोटो पत्रावली पर नहीं है।हाईकोर्ट ने अभियोजन की कहानी को पूरी तरह संदिग्ध माना और कहा कि बिना साक्ष्य सजा सुनाई गई है। ऐसे में अपीलार्थी अन्य केस में वांछित न हों, तो उन्हें तत्काल रिहा किया जाए।

बर्थ डे पार्टी का किया आयोजन

उदयपुरवाटी। के गौरव पथ स्थित शिव कॉलोनी के डॉ.महेंद्र माली ने अपने पोते गौरव (टाइगर)का प्रथम जन्म दिन सादगी से मनाया और दाल चूरमा का देशी घी से बना प्रशाद अपने नाते रिश्तेदारों को प्रेम पूर्वक खिलाया। घर आंगन में खुशी के मौके पर बच्चा पार्टी ने भी खूब धमाल मचाया और कैक काटने के बाद गुब्बारे फोड़ कर खूब लुत्फ भी उठाया। जन्मोत्सव के इस मौके पर सेठ बाबूलाल दुकानदार, डॉ.राजेंद्र कुमावत, डॉ परवेज,जगदीश प्रसाद प्राध्यापक,सोनू मेडिकल वाला,सुगन चंद जी महाराज,राकेश शर्मा,चेतन कुमावत,अमोलक पारमुवाल,लक्ष्मण जी,किशन चेजारा,रतन सिंह भोजगढ़, जितेंद्र कुमार टोडपुरा ,संगीता अरनिया,सुनील अरनिया ,दीपक अरनिया , गुंजन,कृष्णा व गोलू सहित घर परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे। टाइगर के पिता रवि कुमार ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

मुंबई में भाजपा को मिली बड़ी जीत में यूपी के विधायकों की बड़ी भूमिका

जौनपुर। मुंबई में जिस तरह से भाजपा प्रत्याशियों को शानदार जीत मिली तथा जिस तरह से पहली बार भाजपा को उत्तर भारतीयों का एक तरफा वोट मिला, उससे साफ है कि भाजपा ने इस बार उत्तर भारतीय मतदाताओं को अपनी तरफ मोड़ने के लिए प्रभावशाली नियोजन किया था। उत्तर प्रदेश के एक दर्जन से अधिक विधायकों को अलग-अलग विधानसभाओं में प्रवासी प्रभारी के रूप में नियुक्त किया गया था। यूपी के विधायकों ने करीब दो महीने तक उत्तर भारतीय मतदाताओं के बीच कड़ी मेहनत की। चारकोप विधानसभा में प्रवासी प्रभारी के रूप में काम करने वाले बदलापुर के विधायक रमेश चंद्र मिश्रा के अनुसार उन लोगों ने सबसे अधिक फोकस उन उत्तर भारतीय मतदाताओं के बीच किया, जो उत्तर प्रदेश में जातिय समीकरण की विचारधारा के चलते भाजपा से दूर हो गए थे। अपने बीच अपने विधायकों को पाकर सभी बेहद खुश नजर आए। सभी को अधिक से अधिक मतदान के लिए प्रेरित किया गया। आखिरकार सभी उत्तर भारतीयों ने जात पात से ऊपर उठकर भाजपा के पक्ष में मतदान किया। विधायकों ने निर्धारित की गई विधानसभाओं के अलावा अन्य विधानसभा में भी अपनी अपनी विधानसभा के लोगों से संपर्क किया तथा उन्हें भाजपा के पक्ष में मतदान करने के लिए प्रेरित किया। रमेश चंद्र मिश्रा की ही तरह सुशील कुमार सिंह, अवधेश सिंह, गिरीश चंद्र यादव, शलभमणि त्रिपाठी, और रमेश सिंह जैसे अनेकों विधायकों ने कड़ी मेहनत की। इन विधायकों ने जिस विधानसभा में काम किया वहां भाजपा को मिली बड़ी जीत ने साबित कर दिया कि उनके द्वारा की गई मेहनत कितना रंग लाई ?

महाराष्ट्र में भाजपा को प्रचंड बहुत: चंद्रशेखर शुक्ल

मुंबई। घाटकोपर से भाजपा के वरिष्ठ नेता चंद्रशेखर आर शुक्ल ने महाराष्ट्र विधान सभा के चुनाव में भाजपा तथा सहयोगी दलों के विजई हुए सभी विधायको के प्रति खुशी जाहीर करते हुए कहा कि यह जीत महाराष्ट्र के हर नागरिकों, माताएं और लाडली बहनों तथा किसानों की जीत है। महाराष्ट्र के विकास के हेतु देवेंद्र फडणवीस की कड़ी मेहनत का उन्हे श्रेय देते हुए उनके प्रति धन्यवाद ज्ञापित कर हार्दिक शुभकामनाएं दी.

बरेली में भीषण हादसा, गूगल मैप ने दिखाया 'मौत का रास्ता', पुल से नदी में गिरी कार, तीन की मौत

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में भीषण हादसे के चलते तीन लोगों की मौत हो गई है। स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बता दें कि हादसे में जान गंवाने वाले तीनों मृतकों की शिनाख्त हो गई है। यह पूरा मामला बरेली जिले के फरीदपुर थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। इस दर्दनाक हादसा में रामगंगा नदी पर फरीदपुर-बदायूं के दातागंज को जोड़ने वाले अधूरे पड़े पुल से एक कार नीचे जा गिरी। जिससे मौके पर ही तीन लोगों की मौत हो गई। यह घटना शनिवार देर रात की बताई जा रही है। रविवार सुबह जब आसपास के गांव के लोग रामगंगा के किनारे पहुंचे, तो वहां का मंजर देख दंग रह गए। उन्होंने देखा कि एक कार पुल से नीचे गिरी हुई है। कार के आसपास पानी खून से लाल हो गया था। वहीं कार सवार तीनों लोगों की मौत हो चुकी थी। बता दें कि गांव के लोगों ने आनन-फानन में पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर तीनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। रामगंगा नदी के उस पार से तीनों के शव नाव से फरीदपुर की तरफ लाए गए। तीनों मृतकों की शिनाख्त हो गई है। हादसे में मैनपुरी निवासी कौशल कुमार, फरुर्खाबाद के विवेक कुमार और अमित की मौत हुई है। पुलिस के मुताबिक तीनों व्यक्ति सिक्योरिटी गार्ड का काम करते थे। यह किसी शादी समारोह में शामिल होकर गूगल मैप के सहारे शार्ट कट रास्ते से बरेली होकर गाजियाबाद जा रहे थे।

देवरिया की बहु महाराष्ट्र में चुनी गई पहली बार विधायक

देवरिया(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश में देवरिया की बहु ने महाराष्ट्र में हुए विधानसभा के आम चुनाव में पहली बार में चुनाव लड़कर विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी के रुप में जीत दर्ज की है। महाराष्ट्र में पालघर जिले की वसई विधानसभा सीट के आए चुनाव परिणाम में इस सीट पर भारतीय जनता पार्टी और बहुजन विकास अघाड़ी के प्रत्याशियों के बीच कांटे की टक्कर में स्नेहा प्रेमनाथ दुबे को 77 हजार 5 सौ 53 वोट मिले। वहीं बहुजन विकास अघाड़ी के हितेंद्र विष्णु ठाकुर दूसरे नंबर पर रहे।इस चुनाव में हितेंद्र विष्णु ठाकुर को 74 हजार 4 सौ वोट मिले हैं। गौरतलब है कि स्नेहा दूबे जिले के बनकटा विकास खंड के जगन चक गांव के निवासी हैं। मुंबई के नाला सोपारा में दूबे इस्टेट के रुप में इनका परिवार विख्यात है। इनके परिजन मेडिकल कॉलेज का संचालन करते हैं और होटल और रियल एस्टेट के कारोबारी भी हैं। स्नेहा दूबे के विधानसभा चुनाव जीतने पर गांव के जय प्रकाश दूबे, ओम प्रकाश दूबे,जयराम दूबे, अमित दूबे, अखिलेश सिंह, जनार्दन सिंह, अभय सिंह, भोला सिंह,राणा प्रताप सिंह, राकेश सिंह एडवोकेट, ओम प्रकाश सिंह आदि ने बधाई दी है।

पुलिस मुठभेड़ में घायल आरोपी की बीएचयू में उपचार के हुई मौत,परिजनों ने लगाया पुलिस पर उत्पीड़न करने का आरोप

-रियाजुलहक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस की गोली से घायल आरोपी की बीएचयू में इलाज के दौरान शनिवार की देर रात मौत हो गई। बता दें कि आरोपी को पुलिस गौतस्कर बताते हुए मुठभेड़ में घायल किया था। जिसके बाद उसे जौनपुर के चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर देखते हुए बीएचयू रेफर कर दिया गया। जहां पर उसकी मौत हो गई। वहीं परिजनों का आरोप है कि पुलिस शव देने से मना कर रही है। साथ ही परिजनों ने पुलिस पर अन्य प्रकार के कई गंभीर आरोप भी लगाए हैं। मामले के बाबत थाना अध्यक्ष ने बताया कि घायल आरोपी का बीएचयू में ईलाज चल रहा था। जहां पर देर रात मौत हो गई। इसी के साथ फोन कट गया और पुनः और जानकारी के लिए थानाध्यक्ष को फोन लगाया गया तो उन्होंने अपना फोन नहीं उठा। बतादे कि

प्राप्त प्रेस नोट के अनुसार थानाध्यक्ष खेतासराय रामाश्रय राय मय हमराह एक बदमाश का लेदरही से पीछा कर रहे है। बदमाश सेठुआपारा नहर की पटरी पकड़ कर बनुआडीह भाग रहा है। सूचना पर थानाध्यक्ष खुटहन व थानाध्यक्ष खेतासराय के द्वारा उसरबस्ती नहर पुल के पास घेरा बन्दी की गयी कि बदमाश मो0सा0 मोड़ कर शेरपुर की तरफ भागना चाहा की अनियन्त्रित होकर गिर गया। उठ कर मोटर साइकिल छोड़ कर भागने लगा। जिसे पुलिस टीम द्वारा आत्म समर्पण करने हेतु कहा गया तो बदमाश अपने हाथ मे लिए तमंचे से पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नियत से फायर किया कि आत्मरक्षार्थ पुलिस टीम द्वारा फायर किया गया जिसमें बदमाश निसार पुत्र जलालुद्दीन निवासी मारुखपुर थाना खेतासराय जनपद जौनपुर को गोली लगी। घायल बदमाश को 22 नवंबर 2024 को समय 21.16 बजे गिरफ्तार किया गया एवं उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया। अभियुक्त उपरोक्त के विरुद्ध थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-354/2024 धारा 109(1) बीएनएस व 3/25 आर्म्स एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया। समाचार लिखे जाने तक रविवार शाम को शव को दफना दिया गया था।

एंबुलेंस में खत्म हुई ऑक्सीजन, कैंसर पीड़ित की मौत

बलरामपुर। एंबुलेंस में ऑक्सीजन खत्म हो जाने से शनिवार को कैंसर पीड़ित की मौत हो गई। इसे लेकर परिजनों ने एंबुलेंस के चालक पर आरोप लगाते अस्पताल में हंगामा किया। मृतक की बेटी ने शहर कोतवाली में तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। तहबरपुर थाना क्षेत्र के रैसिंहपुर निवासी धर्मसेन सिंह (55) को कैंसर पीड़ित थे। जहां उसे टाटा कैंसर हॉस्पिटल वाराणसी में भर्ती कराया गया था। इसके बाद परिजन शनिवार को धर्मसेन को निजी एंबुलेंस से लेकर आजमगढ़ आ रहे थे। परिजन जब उन्हें लेकर चले तो वह ठीक थे। रास्ते में उन्होंने ऑक्सीजन कम होने की शिकायत की। परिजनों ने चालक राजू यादव से ऑक्सीजन भरवाने को कहा। लेकिन, उसने ऑक्सीजन भरवाने की जरूरत नहीं समझी। इससे हालत बिगड़ती गई।

इंडियन चेस्ट सोसाइटी की फेलोशिप के प्रतिष्ठित पुरस्कार से हुए सम्मानित

पटना । कोयंबटूर में आयोजित वार्षिक बैठक में पटना के प्रख्यात चेस्ट विशेषज्ञ और इंडियन चेस्ट सोसाइटी के बिहार स्टेट चैप्टर के सचिव डॉ. सुधीर कुमार को इंडियन चेस्ट सोसाइटी की नेशनल गवर्निंग बॉडी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। पिछले 44 वर्षों के इंडियन चेस्ट सोसाइटी के इतिहास में डॉ. सुधीर कुमार इंडियन चेस्ट सोसाइटी के अध्यक्ष बनने वाले बिहार के पहले व्यक्ति हैं। पिछले 25 वर्षों से बिहार राज्य में श्वसन चिकित्सा (छाती रोग) के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय कार्य और योगदान के लिए डॉ. सुधीर कुमार को उसी बैठक में इंडियन चेस्ट सोसाइटी की फेलोशिप के प्रतिष्ठित पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। आयोजित नेपकॉन सम्मेलन में डॉ. सुधीर ने योसिनोफिलिया से उत्पन्न फेफड़े के निमोनिया पर व्याख्यान दिया। इंडियन चेस्ट सोसाइटी की विभिन्न

शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन में उत्कृष्टता के साथ-साथ 26 और 27 अक्टूबर 2024 को ज्ञान भवन में आयोजित सर्वश्रेष्ठ स्टेट पल्मोनरी कॉन्फ्रेंस (बिपकॉन 2024) के आयोजन के लिए बिहार स्टेट चैप्टर को इंडियन चेस्ट सोसाइटी के द्वितीय सर्वश्रेष्ठ राज्य चैप्टर के पुरस्कार से मान्यता और सराहना मिली। यह पुरस्कार आयोजन के अध्यक्ष डॉ. दीपेंद्र कुमार राय और सचिव डॉ. सुधीर कुमार को दिया गया। सर्वश्रेष्ठ बिहार पल्मोनरी कॉन्फ्रेंस के आयोजन के कारण, बिहार के इतिहास में पहली बार, इंडियन चेस्ट सोसाइटी ने अगले साल के लिए अपने राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस, नेशनल पल्मोनरी कॉन्फ्रेंस वर्ष 2025 (नेपकॉन 2025) को बिहार के पटना में आयोजन करने का निर्णय लिया। इंडियन चेस्ट सोसाइटी के बिहार स्टेट चैप्टर के सचिव डॉ. सुधीर कुमार को नेपकॉन 2025 का आयोजन सचिव नियुक्त किया गया। बिहार राज्य के लिए गर्व की बात है कि नेपकॉन कॉन्फ्रेंस के 27 साल के इतिहास में पहली बार डॉ. सुधीर कुमार के राष्ट्रीय अध्यक्ष की अध्यक्षता में बिहार राज्य को राष्ट्रीय पल्मोनरी कॉन्फ्रेंस नेपकॉन करने का सम्मान प्राप्त हुआ है। इसके पहले इस सम्मेलन का आयोजन अन्य राज्यों और मेट्रो शहरों में ही होता था। इंडियन चेस्ट सोसाइटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने एवं सम्मान मिलने पर डॉ. सुधीर कुमार ने हर्ष जताते हुए सभी का धन्यवाद किया।

क्रांतिकारी समाजसेवी कमला प्रसाद शर्मा का आकस्मिक निधन

मुंबई(उत्तरशक्ति)। महानगर के उत्कृष्ट क्रांतिकारी,कर्मठ एवं सर्व हितैषी समाजसेवी कमला प्रसाद शर्मा का आकस्मिक निधन राज क्लासिक, चक्रधर नगर, नालासोपारा(पश्चिम), जिला पालघर स्थिति आवास पर रविवार 24 नवंबर 2024 को सुबह हो गया। उक्त दुःखद समाचार कवि एवं पत्रकार विनय शर्मा दीप को प्रदीप कुमार शर्मा, प्रमोद कुमार शर्मा, हरिकेश शर्मा एवं सुरेश कुमार शर्मा ने बताया कमला प्रसाद शर्मा की तवियत विगत सप्ताह से बराबर नहीं चल रही थी।आप मूलतः गांव जेठपुरा,गुतवन, जौनपुर, उत्तर प्रदेश के मूल निवासी थे।वह 70 के दसक में मुंबई की धरती पर आजीविका हेतु आये। जहां परिवार का ध्यान रखते हुए समाज की सेवा में आपकी उत्कृष्ट भूमिका रही। समाज उत्थान हेतु आपने मिल में कार्य करते हुए जय अंबे शर्मा सोसायटी की स्थापना कुछ लोगों के सानिध्य में की।उक्त सोसायटी में समाज के लोगों का हर महीने थोड़ा-थोड़ा पैसा जमा होता जो एक दिन बड़ी किस्त में लोग पैसा लेकर गांव परिवार के आवश्यक कार्य करते थे। आपने हजारों की संख्या में मध्यस्थता कर विवाह कराकर उत्कृष्ट कार्य किया। समाज के दिन-दुःखी परिवार की सहायता मुंबई से लेकर उत्तर प्रदेश तक किया।मुंबई महानगर के सभी? सामाजिक व्यक्ति के बच्चों से लेकर महिलाएं तक सम्मान करती रही। परिवार में पत्नी सहित दो बेटों, बहुओं,नातियों के बीच आपने अंतिम सांस ली। कमला प्रसाद शर्मा के जाने से समाज का बहुत बड़ा नुकसान हुआ है जिसकी भरपाई कोई नहीं कर सकता।उक्त दुःखद अवसर पर महानगर मुंबई,ठाणे,नवी मुंबई एवं पालघर से सैकड़ों की संख्या में समाजसेवी उपस्थित होकर मृतक आत्मा की शांति हेतु शोक सभा करते हुए सभी ने ईश्वर से प्रार्थना किया।

साइकिल सवार को बचाने में ट्रैक्टर खाईं में पलटा

-आफताब आलम

मानी कला, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र अंतर्गत कस्बा मानीकला में खेत की जोताई करने जा रहा।ट्रैक्टर साइकिल सवार को बचाने के चक्कर में नहर में पलट गया ।जिसमें चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त गांव निवासी पिंटू बिन्द पुत्र छोटेलाल बिन्द आयु 21 वर्ष अपने चाचा मुन्नालाल के ट्रैक्टर को लेकर खेत की जोताई करने जा रहा था दोपहर लगभग 11:00 बजे गुरैनी मानी कला रोड पर शराब ठेके के पास साइकिल सवार को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर नहर में पलट गया ।जिसमें चालक को काफी छोटे आई जिसका इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है।

पत्रकार आशुतोष अस्थाना को पत्नी के इलाज के लिए चाहिए मदद

जौनपुर। ओलंदगंज निवासी पत्रकार आशुतोष अस्थाना की पत्नी रीना अस्थाना को ब्रेस्ट कैंसर हो गया है। उनका उपचार वाराणसी के एक कैंसर अस्पताल में चल रहा है। कैंसर ऐसी बीमारी है कि मध्यम वर्ग के लोगों की कमर तोड़कर रख देती है। घर की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण उपचार में कई तरह की परेशानियां सामने आने लगी हैं। पत्नी का उपचार करवा रहे पत्रकार आशुतोष अस्थाना तंगहाल हो गए हैं। परिवार पैसे-पैसे का मोहताज हो गया है और किसी तरह कैंसर से जंग लड़ रहा है। असाध्य रोग ने पत्नी को जकड़ा तो पति भी मजबूर हो गया। पत्रकार दयालु ने बताया कि घर की आर्थिक स्थिति पूरी तरह खराब हो चुकी है। पत्नी के इलाज के लिए अब सबसे मदद की गुहार लगा रहे हैं। ज्यादातर लोग परेशानी सुनकर कन्नी काटते हुए नजर आए वहीं चंद लोग ऐसे भी हैं जो परेशानी में खड़े है। आशुतोष अस्थाना ने जिले के सभ्य और सम्पन्न लोगों से मदद की गुहार लगाई है। खुद्दारी की जिंदगी जीने वाले आशुतोष अस्थाना पत्नी के इलाज के लिए इतना मजबूर हो गए हैं कि दर-दर लोगों के सामने मदद की आस लगाए भटक रहे हैं।

आशुतोष अस्थाना (पत्रकार)
मो. 8299291155

शहीद रामचन्द्र विद्यार्थी के सम्मान में सम्मेलन के आह्वान का निहितार्थ

जैसा कि आप सब जानते हैं, बल्कि यही कहूँगा कि आप सब तन, मन, धन से जुड़े हुए हैं शहीद सम्मान यात्रा से, फिर भी इन कुछ बातों व तथ्यों पर वार्ता करना जरूरी हो जाता है। साथियों, यह यात्रा 5 नवंबर को देवरिया जनपद से शुरू की गई थी। यात्रा का मकसद आप सबको ज्ञात है फिर भी मैं बताता चलूँ, देवरिया जिले में स्थिति 'शहीद रामचन्द्र संग्राहलय' में वर्तमान सरकार अतिक्रमण करके पर्यटन कार्यालय बनाने पर उतारू है। आपके स्मरण रहे कि यह वही जगह है जहाँ पर महान बालवीर रामचन्द्र विद्यार्थी ने देश तिरंगे की खातिर अपना महानतम बलिदान दिया था। फिलहाल हमारे विभिन्न नेताओं के प्रयासों व आप सबके सम्मिलित विरोध से यह अतिक्रमण फिलहाल रुका हुआ है। लेकिन सरकार की मंशा हमारे हित में ज्ञात नहीं होती क्योंकि सरकार ने इस अतिक्रमण को रोकने का कोई लिखित आश्वासन नहीं दिया है।

आप सब जानते हैं शहीद रामचन्द्र विद्यार्थी हमारे देश के महानतम स्वतंत्रता सेनानी शहीदों में से एक हैं, बल्कि एक और विशिष्ट तथ्य इनसे जुड़ा हुआ है कि ये सन् 1942 में हुए 'अंग्रेजो भारत छोड़ो आंदोलन' में सबसे कम उम्र के जांबाज शहीद थे। ऐसी महानतम विशिष्टता के उपरांत भी इन्हें साहित्यकारों व इतिहास लेखकों ने उचित स्थान अपने साहित्य व इतिहास के पन्नों में नहीं दिया। अब इन्हें 'कलम कसाई' ना कहा जाए तो और क्या कहा जाए। मात्र 13 वर्ष की अल्पायु का नन्हां जांबाज रामचन्द्र विद्यार्थी भारत माता के चरणों में अपनी महानतम शहादत देकर नन्हा सरफरोश हो गया, फिर भी वह साहित्य और इतिहास से नदारद है। कलम की ऐसी बेरुखी निःसन्देह सीने में कसक जगाती है।

पर ऐसा होता क्यों है इस पर भी हमें विचार करना होगा। असल में हमारी जागरूकता की कमी व अपने महापुरुषों के प्रति बेरुखी इसका सबसे बड़ा कारण है। हम दूसरों से क्या आशा करें जब हम खुद ही अपने महापुरुषों को ना जानते हैं, ना पहचानते हैं और ना उनके कार्यों को समझते हैं और ना ही उनके मान-सम्मान के लिए लड़ते हैं।

देवरिया जिले से 5 नवम्बर को शुरू की गई 'शहीद सम्मान यात्रा' उत्तरप्रदेश के लगभग तमाम जनपदों (जिलों) से गुजरती हुई अंततः देवरिया में ही 5 दिसम्बर को पूरी होगी। जैसा कि यात्रा के मुखिया पूर्व विधायक बांदा, आदरणीय बृजेश कुमार प्रजापति सभी को यात्रा के दौरान सबको निमंत्रण भी दे रहे हैं कि यात्रा के समापन पर देवरिया के 'शहीद रामचंद्र विद्यार्थी' संग्रहालय के प्रांगण में यात्रा समापन सम्मेलन व शहीद के प्रति जागरूकता सम्मेलन होगा। हम सबका यह कर्तव्य बनता है कि इस इस यात्रा को समर्थन, सहयोग तो हम दें ही दें, 5 दिसम्बर के सम्मेलन को भी पूर्णतः सफल बनाएँ। एक बात और कहना चाहता हूँ। यह किसी पार्टी विशेष के समर्थन का या किसी पार्टी विशेष के विरोध का मामला नहीं है, केवल और केवल अपने शहीद के प्रति लगाव, समर्पण व सम्मान का मामला है। हर कोई इस यज्ञ में अपनी आहुति दे सकता है। वैसे भी आंदोलन बार-बार नहीं होते। अगर हम आज चूक गए तो फिर ऐसा मौका शायद ही कभी आए। इसलिए अधिक से अधिक सहयोग प्रदान करें। यहाँ मैं एक तथ्य और स्पष्ट कर दूँ कि प्रशासन से व सरकार से जुड़े समाज के नेताओं से बहुत वार्ता की गई थी, मगर ना ही प्रशासन ने और ना ही नेताओं ने शहीद परिवार व उनसे जुड़े लोगों को कोई उचित आश्वासन दिया। सब तरह से असंतुष्ट होकर ही संग्राहलय स्थल पर रामविलास जी आदि के द्वारा पहले धरना दिया गया, फिर बृजेश जी, दिलीप जी व देवा जी द्वारा तीन दिन की भूख हड़ताल की गई, भूख हड़ताल के समापन पर स्वामी प्रसाद मौर्य जी द्वारा प्रशासन व सरकार को अनुरोधात्मक चेतावनी दी गई, इसके बाद प्रेमचंद प्रजापति जी द्वारा भी बड़ा प्रदर्शन किया गया और प्रशासन से मुलाकात कर अतिक्रमण ना करने का अनुरोध किया व चेतावनी दी गई। पर जब प्रशासन ने कोई लिखित आश्वासन नहीं दिया तो इसके विरोध स्वरूप 'शहीद सम्मान यात्रा' निकाली गई है और समाज को जागरूक करने का निर्णय लिया गया है। और जिस तरह से प्रत्येक जनपद में इस यात्रा का स्वागत व सम्मान हो रहा है वह काबिलेगौर व काबिलेतारीफ है। वाकई समाज जाग रहा है तथा वह अपने स्वाभिमान व गौरव को पहचान रहा है । लगभग एक महीने की लंबी व थकाऊ यात्रा के बाद हमारे नेता बृजेश जी, दिलीप चौधरी जी व देवा रावत जी 5 दिसम्बर को अपने इस अभियान को पूर्ण करेंगे, अगर हमने सम्मेलन को अपना तन-मन-धन सहित निश्छल सहयोग किया तो इन तीनों नेताओं मेहनत सफल होगी, हमारा शहीद स्थल बचेगा व हमारे महापुरुष का सम्मान भी बढ़ेगा। यही अनुरोध है आप सभी से कि इस इस मौके को चूकें नहीं। साथियों, अंततः पुनः सबसे नम्र निवेदन है 5 दिसम्बर को देवरिया जरूर पहुंचें और अपने सामथ्यार्नुसार आर्थिक सहयोग भी जरूर करें। **लेखकः डॉ. कंवल किशोर प्रजापति**

कोचिंग छात्रा को बंधक बनाकर दुष्कर्म, दो आरोपी शिक्षक भेजे गए जेल

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में राष्ट्रीय पात्रता सह परीक्षा (नीट) की तैयारी कर रही नाबालिग छात्रा से कथित तौर पर दुष्कर्म के लिए एक कोचिंग संस्थान के दो प्रमुख शिक्षकों को गिरफ्तार किया गया। दरअसल, दो वर्ष पुरानी इस घटना के लिए शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी शिक्षकों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए शिक्षकों में से एक ने इस घटना का वीडियो बनाया और इसको सार्वजनिक करने की धमकी देकर कथित तौर पर छह महीने से अधिक समय तक लड़की का यौन शोषण किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी शिक्षकों की पहचान जीव विज्ञान के शिक्षक साहिल सिद्दीकी और रसायन विज्ञान के शिक्षक विकास पोरवाल के रूप में हुई है। शनिवार को दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक, दिसंबर 2022 में हुई इस घटना के समय पीड़िता की उम्र 17 वर्ष थी। आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 328 (अपराध के इरादे से किसी को जहर या नशीला पदार्थ देना), 376 (दो) एन (एक ही महिला के साथ बार-बार बलात्कार करना), 344 (दस या उससे अधिक दिनों तक गलत तरीके से बंधक बनाना) और 506 (आपराधिक धमकी) के अलावा यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। मूल रूप से फतेहपुर जिले की रहने वाली पीड़िता काकादेव इलाके में एक कोचिंग से नीट की तैयारी के लिए लगभग एक साल से छात्रावास में रह रही थी। गिरफ्तार शिक्षकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और पीड़िता की मेडिकल जांच भी कराई जाएगी। कल्याणपुर के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) अभिषेक पांडेय ने बताया कि घटना दिसंबर 2022 में हुई थी और लड़की द्वारा कल्याणपुर पुलिस को तहरीर देने के बाद शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज की गयी। पीड़िता ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि दिसंबर 2022 में साहिल सिद्दीकी ने उसे कल्याणपुर के मकड़ी-खेड़ा में अपने दोस्त के फ्लैट पर अन्य विद्यार्थियों के साथ नया साल मनाने के लिए बुलाया और जब वह फ्लैट पर पहुंची तो उसने पाया कि वहां केवल साहिल सिद्दीकी ही था। पीड़िता ने बताया कि उसे नशीला पदार्थ मिला हुआ पेय पदार्थ पिलाया गया और साहिल ने उसके साथ दुष्कर्म किया और इस कृत्य का वीडियो भी बनाया। शिकायतकर्ता ने बताया कि तब से साहिल सिद्दीकी ने छह महीने से अधिक समय तक उसे अपने फ्लैट में बंधक बनाकर रखा और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उससे बार-बार दुष्कर्म किया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि कुछ महीने बाद कोचिंग के एक अन्य शिक्षक विकास पोरवाल ने भी उससे दुष्कर्म किया।